साप्ताहिक
शहर सत्ता
RNI TITLE CODE - CHHHIN17596
सोमवार, 31 मार्च से 06 अप्रैल 2025
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 04 में...
'विष्णु दरबार' का विस्तार

पेज 12 में...
सट्टा, सत्ता, सियासत

वर्ष : 01 अंक : 04 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com
पेज 03 छुकछुकिया, भूली-बिसरी यादें

33 हजार 700 करोड़ की योजना

गरीबों का घर है, स्कूल है, रोड है, बिजली है, पाइप लाइन है

3 लाख गरीब परिवार कर रहे हैं गृह प्रवेश

पीएम मोदी ने आगे कहा कि, छत्तीसगढ़ के 3 लाख गरीब परिवार अपने नए घर में गृह प्रवेश कर रहे हैं और मुझे यहां तीन लाभार्थियों से मिलने का अवसर मिला। उनके चेहरे पर खुशी नहीं समां रही थी और एक मां तो अपना आनंद रोक ही नहीं पा रही थी। मैं 3 लाख परिवारों को नए जीवन के लिए बहुत शुभकामनाएं देता हूं। गरीब परिवारों के सिर पर पक्की छत आप सभी की वजह से ही संभव हो पाई है। क्योंकि, आपने मोदी की गारंटी पर भरोसा किया। लाखों परिवारों के पक्के घर का सपना पहले की सरकार ने फाइलों में गुमा दिया था और तब हमने गारंटी दी थी कि, ये सपना हमारी सरकार पूरा करेगी। इसलिए विष्णुदेव की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में 18 लाख घर बनाने का निर्णय लिया गया। उनमें से आज 3 लाख घर बनकर तैयार है और मुझे खुशी है कि, इसमें बहुत सारे घर आदिवासी क्षेत्रों में बने हैं।

टीकम वर्मा
प्रमुख संवाददाता
मो. 7725073133

शहर सत्ता/बिलासपुर/रायपुर। बिलासपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए PM मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के 3 लाख गरीब परिवार अपने नए घर में गृहप्रवेश कर रहे हैं और मुझे यहां तीन लाभार्थियों से मिलने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नागपुर से निकलकर दोपहर 2.30 बजे अपने विशेष विमान से रायपुर एयरपोर्ट पहुंचे। जहां वो हेलीकाप्टर से बिलासपुर के लिए रवाना हो गए। जनसभा को संबोधित करते हुए PM मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में माता कौशल्या का मायका है और मेरा सौभाग्य है कि नवरात्र के पहले दिन मैं यहां पहुंचा हूं। छत्तीसगढ़ की राम भक्ति भी अद्भुत है। यहां के रामनामियों ने अपना पूरा शरीर भगवान राम को समर्पित किया है। मोहभट्टा स्वयंभू महादेव के आशीर्वाद से मुझे छत्तीसगढ़ के विकास को गति देने का अवसर मिला है। थोड़ी देर पहले मैंने 33 हजार 700 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया है। इसमें गरीबों का घर है, स्कूल है, रोड है, बिजली है, पाइप लाइन है। ये सारे प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ के नागरिकों को सुविधा देने वाले हैं।

40 हजार करोड़ के रेल प्रोजेक्ट पर चल रहा काम

पीएम मोदी ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है। जहां शत् प्रतिशत रेल नेटवर्क बिजली से चलने लगा है। ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। छत्तीसगढ़ में करीब 40 हजार करोड़ के रेल प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। इस साल बजट में छत्तीसगढ़ के लिए 7 हजार करोड़ की व्यवस्था की गई है। इससे छत्तीसगढ़ के अनेक क्षेत्रों में अच्छी रेल कनेक्टिविटी की मांग पूरी होगी।

कांग्रेस के समय में बिजली की हालत थी खस्ताहाल

हमारी सरकार हर घर को सोलर पैनल लगाने के लिए 70- 80 हजार की मदद दे रही है। यहां छत्तीसगढ़ में भी 2 लाख से ज्यादा परिवारों ने पीएम सुर्यघर मुफ्त बिजली योजना में अपना रजिस्ट्रेशन करा दिया है। आप भी इस योजना से जुड़ेंगे तो आपको बहुत लाभ होगा। नेक नीयत का एक और उदाहरण गैस पाइप लाइन भी है। कांग्रेस के समय में बिजली की हालत खस्ताहाल थी। यहां बिजली के कारखानों पर उतना काम नहीं किया गया। आज हमारी सरकार नए बिजली कारखाने लगवा रही है

इन खासियतों से लैस है नई ट्रेन

एयरोडायनामिक शेप, वातानुकूलित ट्रेन ड्राइवर केबिन से लैस हैं। ये ट्रेन दूसरी लोकल ट्रेन के मुकाबले कम ऊर्जा की खपत करती है। बाकि से बेहतर स्पीड-अप करने और ब्रेकिंग सिस्टम से लैस किया गया है। इसका रखरखाव कम लागत वाला और आसान है। यह ट्रेन पावर कंजप्शन में बेहतर है, अच्छी स्पीड पर जा सकती है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में भी कई रेल सेक्शनों में थ्री-फेज मेमू ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

अभनपुर टू रायपुर 'झलकियां'

- रायपुर सासंद बृहमोहन अग्रवाल भी कार्यक्रम पहुंचे थे
- अभनपुर से रायपुर के लिए 10 रुपए में टिकट खरीदा गया
- हरी झंडी दिखते ही अभनपुर से ट्रेन रायपुर के लिए रवाना हुई
- अभनपुर से केंद्री सीबीडी और रायपुर होगा निर्धारित स्टॉपेज
- नई ट्रेन को देखने बुजुर्ग बच्चे और जवानों में खासा उत्साह था
- ट्रेन का सीबीडी स्टेशन में आतिशबाजी से स्वागत किया गया
- म्यूजिक सिस्टम लेकर आए यात्री, बच्चे बोले एक नंबर है ट्रेन
- अभनपुर से ज्यादातर लोग बिना टिकट लिए चढ़े
- ग्रामीण यात्री बोले सालों से था ट्रेन का इंतजार मोदी जी ने की डिमांड पूरी

यात्रियों के लिए ट्रेन में सुविधा

- इसमें 325 यात्री सफर कर सकते हैं।
- सुंदर इंटीरियर, कुशन वाली सीटें, बड़ी खिड़कियां, स्लाइडिंग दरवाजे और मोबाइल चार्जिंग पॉइंट
- यात्री सूचना प्रणाली के तहत डिस्प्ले स्क्रीन और लाउडस्पीकर हर कोच में लगाए गए हैं
- यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए सीसीटीवी से लैस है सभी कोच
- हर कोच में पर्यावरण-अनुकूल बायो-टॉयलेट्स हैं। पुरानी लोकल ट्रेन में टॉयलेट नहीं होते थे

अब तेजी से आबाद होगा नवा-रायपुर

- नवा-रायपुर में बसाहट को बढ़ावा देने में इस ट्रेन का अहम रोल है
- नया रायपुर, अभनपुर, रायपुर, और मंदिर हसौद के बीच मेमू ट्रेन सेवा शुरू होने से बड़ी राहत मिलेगी
- छत्तीसगढ़ राज्य मंत्रालय और सचिवालय जाने वाले यात्रियों के लिए सुरक्षित और किफायती
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ेगी, आम जनता को लाभ होगा।
- माल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा

'पक्का मकान बन गया है?' – पीएम मोदी के सवाल पर मुस्कराए दल्लु राम बैगा, कहा – "हां, बन गया है"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब बिलासपुर जिले के ग्राम मोहभट्ठा में आयोजित आमसभा एवं विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास समारोह के दौरान हितग्राहियों से संवाद किया, तो मंच पर एक विशेष क्षण आया – प्रधानमंत्री और दल्लु राम बैगा के बीच सरल, संक्षिप्त किन्तु सजीव, आत्मीय एवं सारगर्भित संवाद।

प्रधानमंत्री ने मुस्कराकर पूछा –
"पक्का मकान बन गया है?"
दल्लु राम ने हाथ जोड़कर जवाब दिया –
"हां, बन गया है।"
प्रधानमंत्री श्री मोदी ने फिर स्नेहपूर्वक पूछा –
"अच्छा लग रहा है की नहीं?"
भावुक दल्लु राम ने जवाब दिया
"अच्छा लग रहा है।"
प्रधानमंत्री ने अंत में पूछा –
"बाकी सब ठीक है?"
दल्लु राम ने आत्मविश्वास के साथ कहा –
"ठीक है।"

पब्लिक बोली 'थैंक्यू वेरी मच मोदी जी'

नई मेमू ट्रेन जीपीएस सिस्टम, सीसीटीवी कैमरे बायो टॉयलेट जैसी सुविधाओं से लैस है। तीन-फेज में मेमू यानि कि मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट ट्रेन की शुरुआत की गई है। ट्रेन के प्लेटफॉर्म से रवाना होने और नेक्स्ट स्टॉपेज में रुकते ही गाने पर महिलाओं ने डांस भी किया। ट्रेन में सवार यात्रियों ने कहा कि, इस ट्रेन का सालों से इंतजार था। अब जाकर डिमांड पूरी हुई तो खुशी है। बिलासपुर में आयोजित सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई। ट्रेन में बैठे अभनपुर टू रायपुर के मेमू ट्रेन यात्रियों ने पटरियों पर ट्रेन के सरकते ही कहा 'थैंक्यू वेरी मच मोदी जी।'

पीएम मोदी से मिलते ही खिलखिला उठे मंत्री उम्मीदवार मूणत-चंद्राकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रायपुर एयरपोर्ट पर उतरे तो स्वागत करने के लिए भाजपाइयों की लंबी लाइन लगी थी। लेकिन सभी का ध्यान खींचा पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर और दूसरे पूर्व मंत्री राजेश मूणत से पीएम मोदी जिस अंदाज में मिले सभी ने श्री मोदी का अपने-अपने अंदाज में अभिवादन भी किया। दोनो को ही मंत्री पद की उम्मीदवारी में है, लेकिन फ़िलहाल अभी दोनों ही सिर्फ विधायक है। इसलिए कतारबद्ध बीजेपी नेताओं में उनकी पंक्ति आखरी में थी। जैसी ही दोनों की मुलाकात की बरी आई और प्रधानमंत्री मोदी रूबरू हुए तो एकाएक तीनों खिलखिला उठे। बता दें कि डा. रमन सिंह की सरकार में मूणत और चंद्राकर दोनो काफी प्रभावशाली मंत्री रहे हैं। इस बार जब फिर से भाजपा की सरकार बनी तो उम्मीद किया जा रहा था कि फिर से इन दोनो को मंत्री बनाया जाएगा और सरकार में कद भी काफी ऊंचा होगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इसके बाद सियासी गलियारों में तरह-तरह की चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। हालांकि मंत्रिमंडल में अभी भी दो पद खाली हैं, तो उम्मीद अभी बाकी है।

एक थी छुकछुकिया...

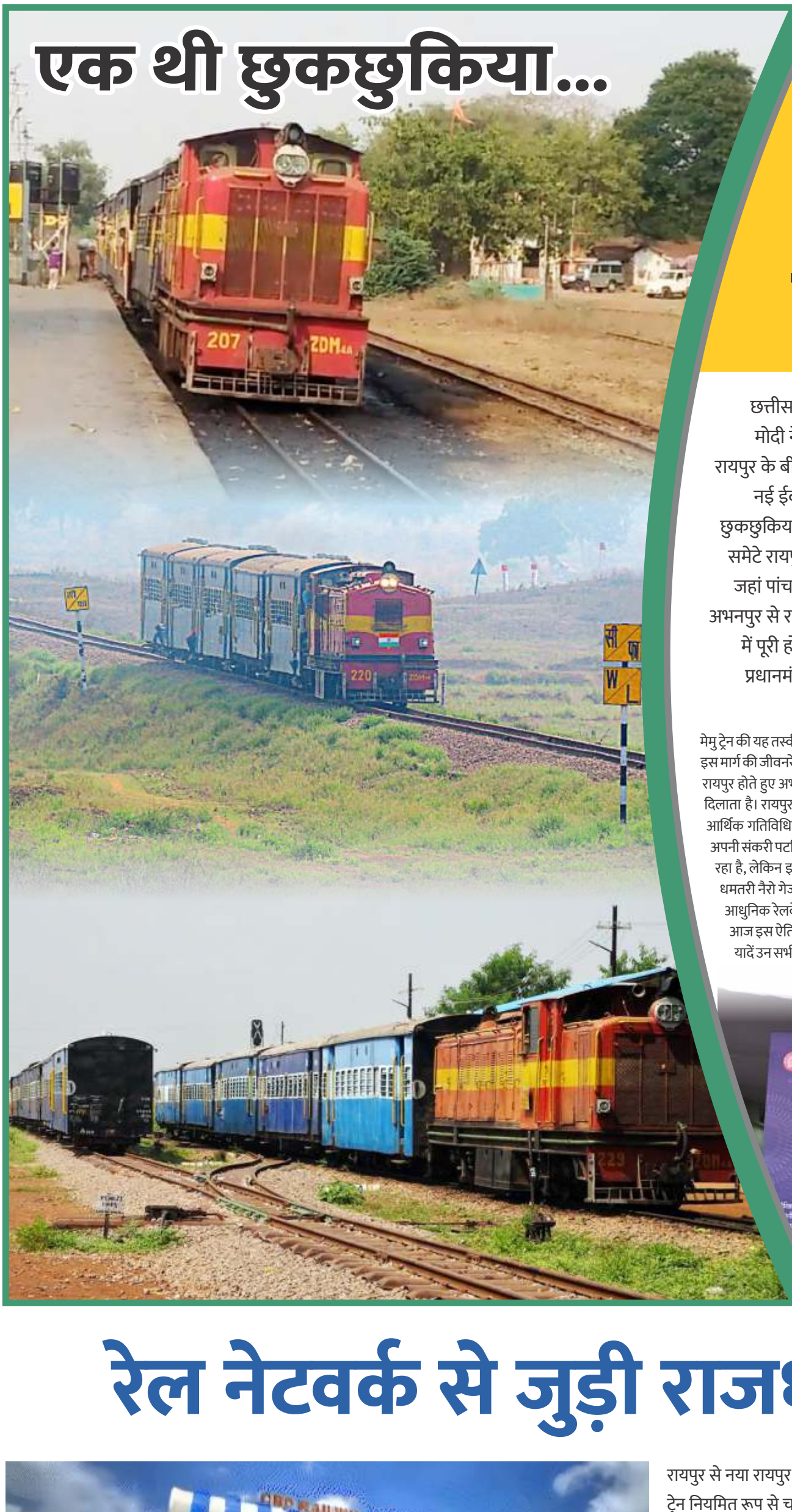

भूली-बिसरी यादें और सुनहरा उज्ज्वल भविष्य...

छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश को बहुत कुछ सौगातें देने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रायपुर को एक यादगार सुविधाओं से लैस किया है। अभनपुर से रायपुर के बीच सर्वसुविधायुक्त नई मेमु ट्रेन अब पुराने और नए रायपुर के बीच नई ईबारत लिखेगी, इसके साथ ही एक पुरानी सुनहरी और ऐतिहासिक छुकछुकिया ट्रेन भी बरबस ही याद आ गई। तकरीबन 125 साल का इतिहास समेटे रायपुर से धमतरी के बीच चलने वाली पांच डब्बों की वह छुकछुकिया जहां पांच घंटो में मुसाफिरों को गंतव्य तक पहुंचाती थी, उसकी जगह आज अभनपुर से रायपुर और रायपुर से अभनपुर के बीच की यह दूरी महज चंद पलों में पूरी होगी। सुनहरी यादों और उज्ज्वल भविष्य का यह ट्रेनों का तानाबाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बदस्तूर जारी रखने के लिए ही छत्तीसगढ़ को रेल कनेक्टिविटि से जोड़ने की ठानी है।

मेमु ट्रेन की यह तस्वीर ऐतिहासिक रायपुर-धमतरी रेलवे मार्ग की एक अनमोल स्मृति को संजोए हुए है। कभी इस मार्ग की जीवनरेखा रही मेमु ट्रेन अब इतिहास बन चुकी है। आज, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रायपुर से नवा रायपुर होते हुए अभनपुर के लिए अत्याधुनिक ट्रेन का उद्घाटन कर रहे हैं, तब यह दृश्य बीते दौर की याद दिलाता है। रायपुर-धमतरी रेलवे का सफर 1900 में शुरू हुआ था और इसने क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नैरो गेज रेलवे, जिसे छोटी लाइन भी कहा जाता था, अपनी संकरी पटरियों और विशिष्ट ट्रेनों के लिए जानी जाती थी। अब यह ऐतिहासिक मार्ग स्मृतियों में सिमट रहा है, लेकिन इसकी गूंज छत्तीसगढ़ के रेल इतिहास में हमेशा बनी रहेगी। एक समय था जब रायपुर-धमतरी नैरो गेज रेलवे क्षेत्र की परिवहन व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी थी। समय के साथ जब ब्रॉड गेज और आधुनिक रेलवे नेटवर्क का विस्तार हुआ, तो नैरो गेज ट्रेनों का संचालन धीरे-धीरे बंद कर दिया गया। आज इस ऐतिहासिक रेल मार्ग का अस्तित्व भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन यह ट्रेन और इससे जुड़ी यादें उन सभी यात्रियों और रेल प्रेमियों के मन में हमेशा जीवित रहेंगी।

रेल नेटवर्क से जुड़ी राजधानी रायपुर

रायपुर से नया रायपुर राजधानी क्षेत्र रेल नेटवर्क से जुड़ गया है। अब यहां आवागमन के लिए मेमू ट्रेन नियमित रूप से चला करेगी। रायपुर रेल्वे स्टेशन से मंदिर हसौद होते हुए नया रायपुर सीबीडी, केन्द्री होते हुए अभनपुर और अभनपुर से रायपुर ट्रेन के जरिए आवागमन हो सकेगा। इससे मंदिर हसौद, मंत्रालय, सचिवालय, नया रायपुर, अभनपुर आवागमन में सस्ता और आसान होगा। इससे शासकीय कर्मचारियों सहित नया रायपुर के नागरिकों और विद्यार्थियों को एक नई सुविधा सुलभ हो गई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज छत्तीसगढ़ के मोहभट्ठा बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अभनपुर-रायपुर मेमू ट्रेन सेवा का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस मौके पर छत्तीसगढ़ में 2,695 करोड़ रूपए की लागत से पूरी हो चुकी चार रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करने के साथ ही उन्होंने 7 रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी। रायपुर अभनपुर मेमू ट्रेन का ठहराव मंदिर हसौद, सीबीडी, केंद्री और अभनपुर स्टेशनों पर होगा। रेल यात्री रायपुर से नवा रायपुर और अभनपुर की यात्रा कर सकेंगे, वो भी महज दस रुपये में। अभनपुर-रायपुर के बीच चलने वाली मेमू ट्रेन अत्याधुनिक थ्री-फेज़ है। बड़ी और खास बात ये है कि ये अत्याधुनिक ट्रेन ऊर्जा दक्षता, उच्च गति और बेहतर आराम के साथ यात्रियों को एक नया अनुभव प्रदान करेगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में भी कई रेल सेक्शनों में थ्री-फेज़ मेमू ट्रेनें चलाई जा रही हैं। हर कोच में सौंदर्यपूर्ण इंटीरियर, कुशन वाली सीटें, बड़ी खिड़कियां, स्लाइडिंग दरवाजे और मोबाइल चार्जिंग सॉकेट उपलब्ध है। जीपीएस-आधारित पीएपीआईएस के तहत डिस्प्ले स्क्रीन और लाउडस्पीकर प्रत्येक कोच में लगाए गए हैं, जिससे यात्रियों को स्टेशन की जानकारी मिलेगी। सीसीटीवी निगरानी प्रणाली भी उपलब्ध कराई गई है। प्रत्येक ट्रेलर कोच में पर्यावरण-अनुकूल बायो-टॉयलेट्स की सुविधा है।

नवरात्र में 'विष्णु दरबार' के विस्तार का शुभ मुहूर्त

विशेष संवाददाता/विकास यादव
मोबाईल नंबर 9425528000

साय सरकार के सवा साल पूरे हो चुके हैं। मंत्रिमंडल और निगम-मंडलों में नियुक्ति नहीं हुई। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव कैबिनेट के विस्तार के साथ निगम-मंडलों में नियुक्ति की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई है। पीएम नरेंद्र मोदी के 30 मार्च को छत्तीसगढ़ दौरे के बाद 3 अप्रैल का केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बस्तर आ रहे हैं। इसके बाद किसी भी दिन मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी। निगम-मंडलों में भी राजनीतिक नियुक्तियों की एक बड़ी लिस्ट निकलेगी। इधर पूर्व मंत्री ने केंद्रीय नेतृत्व को पत्र लिखकर बीजेपी के पुराने नेताओं की पद पाने की उम्मीदों में पेंच फंसा दी है। उन्होंने कहा है कि पुराने लोगों को लाल बत्ती न दी जाए, उनलोगों के चलते ही 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की करारी हार हुई थी।

कतार में हैं कई दिग्गज

किरण सिंहदेव ने भी खुला संकेत दिया कि वे प्रदेश अध्यक्ष की बजाए मंत्री बनना चाहते हैं। अमर अग्रवाल और गजेंद्र यादव के अलावा अजय चंद्रकार, राजेश मूणत, सुनील सोनी भी मंत्री पद के दावेदारों में शामिल हैं। अजय और राजेश रमन मंत्रिमंडल में मंत्री रह चुके हैं। अजय चंद्राकर की कद्दावर नेताओं में गिनती होती है।

अमर को पीएम जानते हैं, सीएम भी करते हैं पसंद

छत्तीसगढ़ बीजेपी के पितृ पुरूष लखीराम अग्रवाल के बेटे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। प्रदेश प्रभारी नीतीन नबीन भी चाह रहे कि अमर अग्रवाल जैसे सीनियर नेता विष्णुदेव कैबिनेट में शामिल किए जाएं। अमर को सीएम विष्णुदेव साय भी पसंद करते हैं। वैसे भी संगठन में सबसे अहम बात कि अमर अग्रवाल को परिणाम प्रेरक मंत्री माना जाता हैं।

2 मंत्रियों का शपथग्रहण और निगम, मंडलों में नियुक्तियों का काउंट डाउन

ननकी के पत्र से फिरेगा पुराने नेताओं की उम्मीदों पर पानी

मोदी के बाद शाह का सरकारी दौरा इसके बाद किसी भी दिन नियुक्ति

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव कैबिनेट का बहुप्रतीक्षित विस्तार चैत नवरात्र में हो सकता है। सत्ताधारी पार्टी के अंदरखाने में भी इस बात की चर्चा है कि मंत्रिमंडल के नए चेहरों पर मुहर लग गई है, आने वाले चैत नवरात्रि में किसी दिन शपथ समारोह आयोजित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पिछले हफ्ते दिल्ली गए थे। दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से उन्होंने मुलाकात की। उससे पहले वे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मिले थे। माना जा रहा है कि दिल्ली दौरे में ही नए मंत्रियों पर निर्णायक चर्चा हो चुकी है।

फ़िलहाल साय सरकार और पूरी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 मार्च के बिलासपुर दौरे को लेकर मसरूफ है। जाहिर है, विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पार्टी को बंपर सपोर्ट मिलने के बाद पीएम मोदी छत्तीसगढ़ नहीं आए हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान चुनावी दौरे पर जरूर दो बार आए मगर यह कोई सरकारी दौरा नहीं था। प्रधानमंत्री के लौटने के बाद 3 अप्रैल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बस्तर आ रहे हैं। उससे पहले 30 मार्च से ही नवरात्रि प्रारंभ हो रही है। पार्टी संगठन के आला औहदेदारों ने संकेत दिए हैं कि अमित शाह के बस्तर प्रवास के बाद दो नए मंत्रियों के लिए शपथ समारोह का आयोजन किया जा सकता है।

बता दें, विष्णुदेव कैबिनेट में दो मंत्रियों के पद खाली हैं। एक पद प्रारंभ से ही रिक्त रखा गया और दूसरा, बृजमोहन अग्रवाल के लोकसभा सदस्य बनने के बाद खाली हुआ। पिछले साल दिसंबर अंत में दोनों नए मंत्रियों की शपथ लगभग तय हो गई थी। विदित हो कि राज्यपाल बस्तर के दौरे पर जा रहे थे लेकिन उनका प्रोग्राम रद्द हो गया था। वैसे, बाद में इसकी अधिकृत वजह खराब मौसम बताया गया।

बेबाक ननकी का पीएम को खुला पत्र

पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर बोर्ड और निगमों में नई नियुक्तियों से पहले रोड़ा अटका दिया है। उनकी राय में पुराने नेताओं खासकर डॉ रमन सिंह कार्यकाल में मलाई खा चुकों को फिर से मौका नहीं मिले। उनके खत का लब्बोलुआब यह कि इन नेताओं के चलते 2018 का विधानसभा चुनाव बीजेपी बुरी तरह हारी थी। ऐसे में, पुराने नेताओं को अब कोई पद नहीं दिया जाए। पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता जो कि काफी समय से पार्टी के लिए लगातार ईमानदारी पूर्वक काम करते आये हैं और जिन्हें आज तक किसी भी निगम, मंडल के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष एवं सदस्य के रूप में कार्य करने का मौका नहीं मिल पाया है, उन्हें मौका दिया जाना चाहिये।

तीन दफे टल गया दो मंत्री पद का राजतिलक

जानकारी के मुताबिक 25 दिसंबर 2024 को भारत रत्न अटलबिहारी बाजपेयी के जन्मदिन को धूमधाम से मनाया गया था। उसी दिन मंत्रियों की शपथ होनी थी। उस दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कुनकुरी दौरे पर गए तो सियासी गलियारों में कयास लगने लगा कि शाम को लौटकर होगा। फिर 26 अगस्त को मंत्री शपथ लेंगे। मगर बीच में ऐसा सियासी ब्रेक आया कि नए मंत्रियों की इंट्री होते-होते लटक गई। अब नवरात्रि शुभ मुहूर्त लेकर आएगी ऐसी चर्चा है। तुर्रा यह कि अमर अग्रवाल की वजह से दिसंबर में मंत्रियों का शपथग्रहण टल गया ऐसा भी हल्ला मचा था।

संपादकीय

सुकांत राजपूत

सट्टे से सत्ता तक

भूपेश बघेल के साथ उनके राजनीतिक सलाहकार रहे विनोद वर्मा, ओएसडी, भूपेश राज में प्राइम पोस्ट पर रहे चार आईपीएस और दो एडिशनल एसपी के यहां सीबीआई के छापे से लोगों की नजर में पिछली सरकार महाभ्रष्ट सी ही दिखने लगी है। भूपेश बघेल के निवास पर एक पखवाड़े के भीतर दो बार केंद्रीय एजेंसियों के छापे से राज्य का राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। शराब घोटाले के बाद महादेव एप का जिन्न जागने से फिलहाल तो भूपेश बघेल की मुसीबतें बढ़ गई हैं। अब आने वाले समय में भूपेश बघेल इसका कितना राजनीतिक फायदा उठा सकते हैं, यह तो समय बताएगा? भूपेश बघेल पंजाब में कांग्रेस के प्रभारी महासचिव हैं। इस छापे का पंजाब कांग्रेस पर क्या प्रभाव पड़ेगा, लोग इसका भी आंकलन कर रहे हैं। फ़िलहाल इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि भूपेश चंद रोज की जेल से मुख्यमंत्री बन गए और अब केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बाद कांग्रेस के दिल्ली दरबार में एक अहम सियासतदान की श्रेणी हासिल कर चुके हैं। खैर, सीबीआई के एक्शन से अभी तो आईपीएस अफसरों की साख पर बट्टा लग ही गया है। सीबीआई की कार्रवाई के बाद अफसरों के निलंबन का कयास लगने लगा है। ऐसा होता है तो छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक घटना हो जाएगी। भ्रष्टाचार की लपटों में एक पूर्व मुख्यमंत्री और आईपीएस अफसरों के घिरने से छत्तीसगढ़ की सियासत और नौकरशाही दोनों ख़ौफ़ज़दा भी हैं और भविष्य की राजनीति और भी ज्यादा विकृत नजर आने लगी है। इधर महादेव एप मामले में सीबीआई के रडार में आने से दो आईपीएस बाल-बाल बच गए। भूपेश बघेल के राज में दोनों आईपीएस रायपुर और दुर्ग जिले में पदस्थ रहे और महादेव एप को लेकर चर्चा में भी रहे। सियासत और नौकरशाही का रिश्ता उजागर हो ही गया है तो महादेव एप मामले में एएसपी अभिषेक माहेश्वरी के निवास पर सीबीआई के छापे से भाजपा के कुछ लोगों को गहरा सदमा लगा है। बताते हैं भाजपा के भीतर ही कुछ लोग अभिषेक माहेश्वरी की अच्छी पोस्टिंग के लिए लगे थे। महादेव एप में उलझे एक आईपीएस का काल डिटेल देखकर सीबीआई के अफसर चक्कर खा गए। बताते हैं ये अफसर अपने बैच मैट से रोजाना कई-कई बार बात करते रहे हैं। महादेव एप के फेर में पड़े अफसर अपने बैच मैट से बात करते थे, वे आजकल भाजपा सरकार में बड़े पावरफुल हैं। खबर है कि अब सीबीआई वाले बातचीत के कारण तलाशने में लगे हैं।

क्यों नहीं समझते बहू को बेटी

देवेन्द्र सोनी

आज हम डिजिटल युग में प्रवेश करने की बात करते हैं। आधुनिकता, स्वतंत्रता और स्वछंदता की पराकाष्ठा में जीने का प्रयास भी करते हैं लेकिन अनेक सामाजिक, पारिवारिक पुरातन व्यवस्थाएं ऐसी हैं जिनमें हम रत्ती भर भी परिवर्तन नहीं करना चाहते।। इन सब में सर्वाधिक ज्वलंत, शाश्वत और चिंताजनक मुद्दा है - बहू को बेटी न मानना। आज बेटियां हर क्षेत्र में अग्रसर हैं। वे ससुराल में भी अनेक जगह दोहरी जिम्मेदारियां निभाती हैं। वाबजूद इसके उन्हें बेटी की तरह माहौल नही मिलता। बहू पर लागू होते रहे सारे हथकंडों से उन्हें जूझना ही पड़ता है। आखिर ऐसा क्यों?

यदि इस प्रश्न का हल ढूंढा जाए तो मुझे तो सिर्फ - वैचारिक समझ का अभाव ही मिलता है। आर्थिक संपन्नता या विपन्नता इसका मूल नहीं है। बहू को बेटी न समझने के पीछे परोक्ष रूप से अभिमान और प्रत्यक्ष रूप में प्राचीन ताना-बाना भी मुख्य रूप से अपनी भूमिका निभाता है। युगों से चला आ रहा है यह। इसे संपूर्ण तौर पर बदलना असंभव तो लगता है पर इसे आपसी समंवय से संभव भी बनाया जा सकता है, क्योंकि जब तक हर परिवार सम्यक रूप से अपनी मानसिकता नहीं बदलेगा, तब तक बहू को बेटी बताया जाना सिर्फ छलावा ही है।

बहू को बेटी की तरह तभी रखा जा सकता है जब घर की महिलाएं खुद में बदलाव लाएं। उन्हें भूलना होगा पूर्व में उनके साथ क्या व्यवहार हुआ? इसके साथ ही पुरुषों को भी अपना दंभ छोड़ना होगा और हर गैरजरूरी रूढ़ियों को त्यागना होगा। अनेक परिस्थितियों में जरूरी तालमेल भी उन्हें ही करना होगा। सोचना होगा कि - एक बेटी, अपना पूरा परिवार, रिश्ते-नाते और रहन-सहन छोड़कर बिलकुल नए और अनजान माहौल में आई है। सब कुछ बदल गया है उसके लिए। उसे ताल मेल बैठाने का समय और जरूरी सुख-सुविधाएं तो देना ही होंगी। तभी वह आपका घर-संसार बसा सकती है। आई ही है वह ईश्वरीय विधान को पूरा करने के उद्देश्य से जीवन भर के लिए खुद को समर्पित करने। समझें इसे।

अलावा इसके बेटी के परिजनों को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए वह अपनी बेटी को इस तरह प्रशिक्षित करें कि उसे नए माहौल और रिश्तों से तालमेल करने में असुविधा न हो। बेटी को भी इन्हें समझना और ससम्मान निर्वाह करना होगा तभी वह इस अवधारणा और हकीकत को बदलने में कामयाव हो सकेगी और बेटी के वजूद को बचा सकेगी।

वेब दुनिया से साभार...

झिरिया के पानी भरोसा होगे जिनगानी

सुशील भोले

हमन लइका रेहेन त हमर गाँव नगरगाँव ले बोहाने वाला कोल्हान नरवा म गरमी के दिन म झिरिया कोड़न अउ वोमा कूद-कूद के नाहवन। वो लइका पन के उमंग रिहिस हे, फेर आज इही झिरिया ह गरमी के दिन म लोगन के जीए के सहारा बनत हे। छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्र ले अइसन सोर मिलत रहिथे, के नदिया-नरवा, कुआँ-बावली, बोरिंग-सोरिंग मन झुक्खा परत हें। लोगन जीव बचाए बर झिरिया कोड़-कोड़ के बूंद-बूंद पानी सकेलत रहिथें।

सरकार ल एकर ऊपर गंभीरता ले सोचना चाही। इहाँ अतेक नदिया-नरवा हे। बरसात म वोकर पानी ल रोके-छेंके के कुछू उदिम करना चाही, तेमा गरमी म अइसन ताला-बेली के बेरा मत आवय। दुख के बात ए आय के इहाँ जतका भी नीति बनथे, सब बड़े-बड़े कारखाना मनला पोंसे अउ उछरत मरत ले पानी पियाए के नीति बनथे।

खेत-खार ल सींचे अउ गाँव के तरिया-डबरी ल लबालब भरे के नीति नइ बनय। जबकि कृषि प्रधान राज्य म कृषि ऊपर आधारित नीति बनना चाही। मोर तो ए सुझाव हे, के एक पंचवर्षीय योजना ल पूरा के पूरा कृषि ल समरपित कर देना चाही। इहाँ जतका भी नदिया-नरवा हे, सबो म हर तीन-चार कि.मी. के दुरिहा म छोटे-छोटे स्टाप डेम बना दिए जाना चाही। एकर ले एक फायदा ए होही, के इहाँ के पूरा राज भर म किसान मन आसानी के साथ दू फसली खेती कर सकहीं। संग म इहाँ के चारोंमुड़ा के भू-जल स्तर बाढ़ही। कुआँ-बोरिंग मन म बारों महीना लबालब पानी रइही। कोनो गाँव के रहइया मनला झिरिया कोड़ के जीव बचाय के जोखा करे बर नइ लागही। भरोसा हे ए नवा सरकार के चेत ह ए मुड़ा खच्चित जाही.. हमन बनाए हावन त हमीं मन सँवारबोन के नारा ल सफल करही।

-गरमी के दिन म अब पीए के पानी के चिंता करे ले नइ लागय तइसे जनावत हे जी भैरा.

-काबर अइसन गोठियाथस जी कोंदा.. हर बछर के मुड़पीरवा जिनिस होगे हे गरमी म पानी के कमी ह?

-ए बछर सरकार ह गाँव मन म उपराहा दारूभट्ठी खोले हावय न.. फेर अब एदे जम्मो किसम के शराब मन के कीम्मत म घलो कमी कर देहे काहत हें.

-त एकर ले का होही जी?

-वाह.. लोगन अब पानी के बलदा शराब पिहीं त पानी के खपत कमतियाही नहीं जी.

-टार बुजा ल कइसे अनफभिक गोठियाथस.

-बने गोठियाथँव संगी.. महतारी वंदन के पइसा ल सुवारी मन झोंकहीं तेला नँगा-नँगा के वोकर आदमी मन दारू पीहीं.

-हट तो ननजतिया नहीं तो.. मोला अइसन बेलबेलही गोठ ह सुहावय नहीं.. अभी मार्च के महीना म इहाँ गरमी ह 40 डिग्री ल अमर डारे हे, त अवइया बेरा म कतका रार मचाही तेने ल गुन के मोर माथा ह भन्नाय असन लागत हे, फेर ए बछर जेन बाँधा मन ले पानी दे जाथे तेनो मन उन्ना-उन्ना हें बताथें!

-सरकार दारूभट्ठी म बढ़ोत्तरी करे के बलदा पानी छेंके के व्यवस्था म बढ़ोत्तरी बर गुनतिस तब तो?

क्या तबाह हो जाएगा पूरा म्यांमार?

वैज्ञानिकों ने एक महीने तक भूकंप आने की दी चेतावनी

नई दिल्ली। म्यांमार में शुक्रवार को आए विनाशकारी भूकंप का दहशत लोगों के दिल और दिमाग में काफी ज्यादा हावी है। 7.7 तीव्रता के भीषण भूकंप ने म्यांमार में भारी तबाही मचाई और करीब 1600 लोगों की मौत हो गई। अब भूवैज्ञानिक द्वारा आफ्टरशॉक्स के बारे में चेतावनी दी गई है। भूवैज्ञानिक जेस फीनिक्स के अनुसार, म्यांमार में आए इतनी अधिक तीव्रता वाले भूंकप से उतनी ऊर्जा निकली है जितनी 334 परमाणु बमों के विस्फोट से निकलती है। उन्होंने चेतावनी देते हुए बताया है कि 7.7 तीव्रता वाले भूकंप के बाद इस क्षेत्र में लंबे समय तक आफ्टरशॉक्स आते रह सकते हैं।

10 किलोमीटर की गहराई में आया था भूकंप

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक यह भूकंप दोपहर के समय 10 किलोमीटर की गहराई में आया था। म्यांमार के स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, मरने वालों की संख्या अब तक 1600 हो चुकी है। वहीं USGS ने अनुमान लगाया है कि मरने वालों की संख्या 10 हजार से ज्यादा हो सकती है। भूवैज्ञानिक फीनिक्स ने सीएनएन को बताया कि, म्यांमार के इस क्षेत्र में महीनों तक लोगों को आफ्टरशॉक्स का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि भारतीय टेक्टोनिक प्लेट यूरोशियन प्लेट से टकराती जा रही है।

भारत ने बड़ी संख्या में भेजी राहत सामग्री

भारत ने म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत राहत कार्य तेज़ कर दिए हैं। दो C-17 विमान के जरिए भारतीय सेना की चिकित्सा टीम और 60 टन राहत सामग्री भेजी गई। इसके अलावा भारतीय नौसेना के दो जहाज और NDRF की टीम भी भेजी गई। प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमार के लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और भारत की मदद का भरोसा दिलाया। MEA प्रवक्ता रंधीर जयस्वाल ने कहा कि अब तक भारत से म्यांमार तक राहत सामग्री के पांच विमान पहुंच चुके हैं। इसके साथ ही, भारतीय नौसेना के दो जहाज INS सतपुरा और INS सवित्री 40 टन मानवतावादी सहायता लेकर यांगून के बंदरगाह पर पहुंच चुके हैं। साथ ही 118 सदस्यीय एक फील्ड अस्पताल को आगरा से म्यांमार भेजने की तैयारी की गई है।

चीन ने भी मदद को बढ़ाया हाथ

भारत के अलावा चीन ने भी म्यांमार की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है। चीन के चुन्नान प्रांत से 37 सदस्यीय दल म्यांमार की राजधानी यांगून पहुंच चुका है। चीन द्वारा भेजा गया दल भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली और ड्रोन जैसी सुविधाओं के साथ राहत एवं चिकित्सा सहायता प्रदान कर रहा है।

इंडिगो पर आयकर विभाग ने लगाया 944 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो पर आयकर विभाग ने भारी जुर्माना लगाया है। इनकम टैक्स विभाग ने इंडिगो पर 944.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। हालांकि, कंपनी ने इसे गलत बताया है। इंडिगो ने कहा कि वह इस आदेश को चुनौती देगी। बता दें कि यह आदेश देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन को शनिवार को मिला। दरअसल, रविवार को एक नियामक फाइलिंग में इंडिगो ने कहा कि आयकर विभाग (आयकर प्राधिकरण) की मूल्यांकन इकाई ने आकलन वर्ष 2021-22 के लिए 944.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश पारित किया है। इंडिगो ने अपने बयान में कहा कि यह आदेश इस गलत समझ के आधार पर पारित किया गया है कि कंपनी द्वारा आयकर आयुक्त (अपील) (सीआईटी (ए)) के समक्ष धारा 143 (3) के तहत मूल्यांकन आदेश के खिलाफ दायर अपील खारिज कर दी गई है। हालांकि, यह अभी भी चल रहा है और इस मामले में फैसला लंबित है। कंपनी द्वारा फाइलिंग के अनुसार कंपनी का दृढ़ विश्वास है कि आयकर प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश कानून के अनुसार नहीं है। कंपनी का कहना है कि यह गलत और तुच्छ है। इंडिगो ने कहा कि वह इस आदेश का विरोध करेगी। वहीं, इसके खिलाफ उचित कानूनी उपाय करेगी।

राजद के शासनकाल में बिहार में था जंगलराजः अमित शाह

पटना। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर रविवार (30 मार्च, 2025) को तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि लालू-राबड़ी के शासनकाल में बिहार को जंगल राज में बदल दिया गया था. अमित शाह ने पटना में तकरीबन 20 मिनट भाषण दिया और 15 बार लालू यादव का नाम लिया.

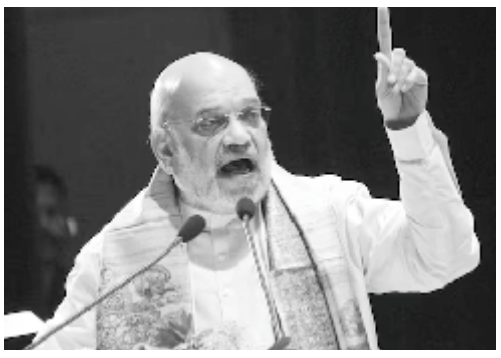

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि लालू यादव ने चारा घोटाला कर बिहार को बदनाम करने का काम किया. उन्होंने आरजेडी के शासनकाल को जंगलराज बताते हुए कहा कि उनके शासनकाल को जंगलराज के रूप में ही याद किया जाएगा. इससे पहले पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग की ओर से समारोह का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संयुक्त रूप से किया. अमित शाह ने लालू यादव पर सीधे तौर पर सियासी हमला बोलते हुए कहा कि इन लोगों ने गरीबों के लिए कोई काम नहीं किया, जबकि एनडीए की सरकार ने राशन, घर, बिजली, रसोई गैस, दवाई और मुफ्त राशन पहुंचाने का काम किया. गरीबों के लिए किसी ने कुछ किया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया.

उन्होंने कहा कि चार करोड़ लोगों को आवास दिया गया, 11 करोड़ से अधिक लोगों को गैस का सिलेंडर दिया गया, 12 करोड़ शौचालय का निर्माण कराया गया. 81 करोड़ लोगों को प्रति माह, प्रति व्यक्ति पांच किलो मुफ्त अनाज के साथ पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसान, महिला मत्स्य पालन के कार्यों को गति देने के लिए अलग सहकारिता मंत्रालय बनाने का काम किया. 75 साल तक किसी सरकार ने सहकारिता को मजबूत करने का काम नहीं किया. लेकिन, नरेंद्र मोदी ने इस विभाग को गति दी.

इसी सत्र में वक्फ संशोधन विधेयक पास कराने की कोशिश करेगी सरकार

नई दिल्ली। सरकार की ओर से ईद के बाद संभवत मंगलवार को लोकसभा में वक्फ विधेयक पेश किया जा सकता है। कोशिश यह होगी कि इसी सत्र में कम-से-कम एक सदन से विधेयक पारित हो जाए। अगस्त 2024 में वक्फ संशोधन विधेयक को जेपीसी के पास भेजा गया था। सरकार ने रिपोर्ट देख ली है और उसी अनुसार पुराने विधेयक में कुछ बदलाव की तैयारी हो गई है। विपक्षी दलों की ओर से आए कुछ सुझावों को शामिल करने के बाद संयुक्त संसदीय समिति ने वक्फ विधेयक में संशोधन को लेकर जो सुझाव दिए हैं, उसे सरकार ने मान लिया है।

बताया जा रहा है कि उसी आधार पर सरकार की ओर से ईद के बाद संभवत: मंगलवार को लोकसभा में वक्फ विधेयक पेश किया जा सकता है। कोशिश यह होगी कि इसी सत्र में कम-से-कम एक सदन से विधेयक पारित हो जाए। अगस्त 2024 में वक्फ संशोधन विधेयक को जेपीसी के पास भेजा गया था।

बजट सत्र के पहले सप्ताह में जेपीसी ने अपनी रिपोर्ट भी दे दी थी। बताते हैं कि सरकार ने रिपोर्ट देख ली है और उसी अनुसार पुराने विधेयक में कुछ बदलाव की तैयारी हो गई है। विपक्षी दलों को इसका अहसास है कि सरकार के पास किसी विधेयक को पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या है।

दुनियाभर में एलन मस्क के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका तक क्यों हो रहा विरोध? निशाने पर टेस्ला

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार में एलन मस्क के दखल के खिलाफ दुनियाभर में गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। सैकड़ों टेस्ला शोरूम के बाहर लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन किया। लोगों का आरोप है कि अमेरिकी सरकार के संवेदनशील डाटा तक एलन मस्क की पहुंच बेहद खतरनाक है। प्रदर्शनकारी ट्रंप प्रशासन में मस्क की भूमिका का विरोध कर रहे हैं। इस बीच खबर आ रही है कि एलन मस्क मई के अंत तक दक्षता विभाग के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

अमेरिका में 277 टेस्ला शोरूम के बाहर रैली निकाली गई। वहीं दुनियाभर में 200 से अधिक स्थानों पर प्रदर्शन देखने को मिले। यह प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया से यूके तक फैले हैं। शनिवार को जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैंड, फिनलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, न्यूजीलैंड, यूके और ऑस्ट्रेलिया में लोगों ने एलन मस्क और टेस्ला के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर भड़ास निकाली। सैकड़ों प्रदर्शनकारी मैनहट्टन टेस्ला स्टोर के सामने इकट्ठा हुए और मस्क के इस्तीफे की मांग की।

प्रदर्शनकारियों की तीन अपील

अमेरिका समेत यूरोप के कई देशों में लोगों ने टेस्ला शोरूम के बाहर रैली निकाली। लोगों का आरोप है कि एलन मस्क अमेरिकी सरकार को खत्म करने में जुटे हैं। प्रदर्शनकारियों ने लोगों से तीन बड़ी अपील की हैं। लोग नारे लगा रहे हैं कि 'टेस्ला को रोकना, मस्क को नुकसान पहुंचाना है'। 'मस्क को रोकना जीवन और लोकतंत्र को बचाना है'।

ये हैं तीन बड़ी अपील

टेस्ला की कारें न खरीदें।

टेस्ला का स्टॉक बेच दें।

टेस्ला टेकडाउन आंदोलन में हिस्सा लें।

विवादों में फंसी मोहनलाल की फिल्म एम्पुरान से हटेंगे दंगे के सीन

तिरुवनंतपुरम। केरल बीजेपी के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने हाल ही में रिलीज़ हुई मलयालम फिल्म 'एल2- एम्पुरान' को न देखने का ऐलान किया है। इस फिल्म में सुपरस्टार मोहनलाल मुख्य भूमिका में हैं और इसे अभिनेता-निर्देशक पृथ्वीराज सुकुमारन ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म 'लुसिफर' का सीक्वल है, जो 2019 में ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। हालांकि, फिल्म को लेकर विवाद खड़े होने के बाद चंद्रशेखर ने यह फैसला लिया। राजीव चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने पहले 'लुसिफर' फिल्म देखी थी और उन्हें वह पसंद आई थी। 'एम्प्यूरान' का इंतजार कर रहे थे, लेकिन अब उन्हें यह पता चला कि फिल्म निर्माताओं ने फिल्म में 17 कट्स किए हैं और इसे फिर से सेंसोरशिप से गुजरना पड़ा है। उन्होंने इस बदलाव की आलोचना करते हुए कहा, "किसी फिल्म को इतिहास के रूप में नहीं देखा जा सकता।

स्टार्क के पंजे से जीता दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराया

दिल्ली कैपिटल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हरा दिया है. यह हैदराबाद की मौजूदा सीजन में लगातार दूसरी हार है. इस मैच में SRH ने पहले खेलते हुए 163 रन बनाए थे. जवाब में दिल्ली ने 16वें ओवर में ही इस लक्ष्य को हासिल कर लिया है. दिल्ली कैपिटल्स ने भी लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली है, जिसकी जीत में फाफ डु प्लेसिस ने अर्धशतकीय पारी खेली. डु प्लेसिस की फिफ्टी, SRH के अनिकेत वर्मा के 74 रनों पर भारी पड़ी.

दिल्ली कैपिटल्स को 164 रनों का लक्ष्य मिला था. जवाब में जेक फ्रेजर मैकगर्क और फाफ डुप्लेसिस ने दिल्ली को तूफानी शुरुआत दिलाई. मैकगर्क और डु प्लेसिस के बीच 81 रनों की सलामी साझेदारी हुई. मैकगर्क ने 38 रन की पारी खेली, वहीं डुप्लेसिस ने 27 गेंद में 50 रन की तूफानी पारी खेल दिल्ली की जीत की नींव रख दी थी. उन्होंने इस पारी में 3 चौके और 3 छक्के लगाए. अभिषेक पोरेल भी दिल्ली के लिए चमके, जिन्होंने छक्का लगाकर दिल्ली कैपिटल्स की जीत सुनिश्चित की. पोरेल ने 18 गेंद में नाबाद 34 रन की पारी खेली. वहीं ट्रिस्टन स्टब्स भी 14 गेंद में 21 रन बनाकर नाबाद लौटे. केएल राहुल IPL 2025 में पहला मैच खेल रहे थे, जो बड़ी पारी तो नहीं खेल पाए लेकिन 5 गेंद में 15 रन बनाकर महफिल लूटी. राहुल ने 5 गेंदों की छोटी से पारी में 2 चौके और एक छक्का लगाया. दिल्ली कैपिटल्स की जीत की नींव मिचेल स्टार्क ने रख दी थी. उन्होंने ट्रेविस हेड, ईशान किशन और नितीश कुमार रेड्डी समेत सनराइजर्स हैदराबाद के 5 बल्लेबाजों को आउट किया. दिल्ली के लिए स्टार्क के अलावा कुलदीप यादव ने भी 3 विकेट लिए. बता दें कि 5 विकेट लेने के साथ ही स्टार्क पर्पल कैप की दौड़ में सबसे पहले नंबर पर आ गए हैं. अभिषेक शर्मा IPL 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद को बढ़िया शुरुआत दिलाने में अभी तक नाकाम रहे हैं. राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में उन्होंने 24 रन बनाए थे, वहीं LSG के खिलाफ मैच में अभिषेक केवल 6 रन बनाकर आउट हो गए थे. अब दिल्ली के खिलाफ मैच में भी वो केवल एक रन बना पाए. उनकी घटिया फॉर्म हैदराबाद के लिए नुकसानदेह साबित हो रही है, उनके जल्दी आउट होने के कारण अन्य बल्लेबाजों पर भी दबाव बढ़ जाता है.

SRH के साथ यह समस्या IPL 2024 में भी देखी गई थी. ये वही टीम है जिसके नाम आईपीएल इतिहास के 2 सबसे बड़े स्कोर हैं, लेकिन SRH की पूरी टीम को एकसाथ बिखरते हुए भी देखा गया है. लखनऊ के खिलाफ मैच में हैदराबाद का टॉप ऑर्डर नहीं चला था, जिससे टीम बैटिंग में संघर्ष करती दिखी थी. अब दिल्ली के खिलाफ भी अभिषेक, ट्रेविस हेड और ईशान किशन के फेल होने के बाद पूरी टीम बिखर गई थी. IPL 2024 के फाइनल में भी टॉप ऑर्डर बल्लेबाजी फेल होने के कारण SRH को KKR के हाथों बड़ी हार झेलनी पड़ी थी. SRH के पास बेहद मजबूत गेंदबाजी अटैक है.

आरआर ने चेन्नई को रोमांचक मुकाबले में 6 रनों से रौंदा

राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को रोमांचक मैच में 6 रनों से हरा दिया. उसके लिए नीतीश राणा, वानिंदु हसरंगा और संदीप शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया. राजस्थान के दिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके के लिए ऋतुराज गायकवाड़ ने कप्तानी पारी खेली. हालांकि वे जीत नहीं दिला सके. गायकवाड़ ने 44 गेंदों में 63 रन बनाए. राहुल त्रिपाठी ने 23 रनों का योगदान दिया. शिवम दुबे 18 रन बनाकर आउट हुए. महेंद्र सिंह धोनी 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे.

राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए 182 रन बनाए. इस दौरान नीतीश राणा ने 36 गेंदों में 81 रन बनाए. उन्होंने 10 चौके और 5 छक्के लगाए. कप्तान रियान पराग ने 37 रनों का योगदान दिया. संजू सैमसन ने 20 रन बनाए. शिमरोन हेटमायर 19 रन बनाकर आउट हुए. इस दौरान चेन्नई के लिए खलील अहमद, नूर अहमद और महीशा पथिराना ने 2-2 विकेट लिए. जडेजा और अश्विन को 1-1 विकेट मिला.

बैंक ने प्रीति जिंटा का माफ कर दिया था 1.55 करोड़ का लोन

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा को कौन नहीं जानता. एक दौर था, जब बॉलीवुड में इनके नाम का सिक्का चलता था. कहा जाता था कि उस दौर में अगर

प्रीति किसी फिल्म में हैं, तो उसका हिट होना लगभग तय है. हालांकि, अब उनका नाम न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के 122 करोड़ के घोटाले के मामले में सामने आ रहा है. मुंबई पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंसेस विंग (EOW) के अनुसार, जिंटा को बैंक द्वारा दिए गए 18 करोड़ के लोन सेटलमेंट में 1.55 करोड़ की रियायत दी गई थी. यह लोन बैंक के लिए नॉन-परफॉर्मिंग एसेट (NPA) बन चुका था. 7 जनवरी 2011 को प्रीति जिंटा को 18 करोड़ का लोन दिया गया था. इसके बदले में उन्होंने मुंबई में एक रेजिडेंशियल फ्लैट और शिमला में प्रॉपर्टी गिरवी रखी थी, जिनकी कुल कीमत 27.41 करोड़ थी. नवंबर 2012 तक उन्हें 11.40 करोड़ चुकाने थे, लेकिन भुगतान में देरी के कारण 31 मार्च 2013 को यह लोन NPA घोषित कर दिया गया. उस समय बकाया राशि 11.47 करोड़ थी. बाद में, अप्रैल 2014 में बैंक ने 1.55 करोड़ की छूट देकर बाकी रकम चुकाने का प्रस्ताव दिया. जिंटा ने बाकी पैसा चुका दिया और खाता क्लियर कर दिया. लेकिन, अब यह रियायत बैंक में हुई संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों की जांच का हिस्सा बन गई है. EOW इस बैंक में 2010 से 2014 के बीच मंजूर किए गए कई लोन अकाउंट्स की जांच कर रही है. अब तक इस मामले में आठ लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

इन सरकारी स्मॉल सेविंग स्कीम में कमा सकते हैं तगड़ा पैसा

नई दिल्ली। निवेशकों के लिए खुशखबरी! केंद्र सरकार ने छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है. 1 अप्रैल 2025 से शुरू हो रहे नए वित्तीय वर्ष (FY 2025-26) की पहली तिमाही (1 अप्रैल से 30 जून 2025) तक PPF, SSY, NSC समेत सभी पोस्ट ऑफिस स्कीम्स पर पुराने ही ब्याज दर लागू रहेंगे. यानी निवेशकों को पिछली तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) के समान ही रिटर्न मिलेगा. पोस्ट ऑफिस की अलग-अलग योजनाओं में ब्याज दरें अलग-अलग हैं. सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) और सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (SCSS) सबसे ज्यादा 8.2 फीसदी ब्याज दे रही हैं, जो किसी भी बैंक FD से कहीं बेहतर है. वहीं पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF) पर 7.1 फीसदी और 5 साल के टाइम डिपॉजिट पर 7.5 फीसदी का रिटर्न मिलेगा.

किस योजना पर कितनी ब्याज दर

बचत खाता (Savings Deposit) सालाना ब्याज दर	4 फीसदी
5 साल का रिकरिंग डिपॉजिट (RD) ब्याज दर	6.7 फीसदी
सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (SCSS) ब्याज दर	8.2 फीसदी
मंथली इनकम अकाउंट स्कीम (MIAS) ब्याज दर	7.4 फीसदी
नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (NSC) ब्याज दर	7.7 फीसदी
पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF) ब्याज दर	7.1 फीसदी
किसान विकास पत्र (KVP) ब्याज दर	7.5 फीसदी
सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) ब्याज दर	8.2 फीसदी

1 अप्रैल से होने जा रहे ये बड़े बदलाव आपकी जेब पर होगा सीधा असर

नई दिल्ली। अगले वित्त वर्ष यानी 1 अप्रैल 2025 से कई बड़े बदलाव होने जा रहे हैं, जिसका आपकी जेब पर सीधा असर पड़ेगा।

बंद होंगे कई यूपीआई एकाउंट्स - पेमेंट के लिए यूपीआई काफी चलन में है. लेकिन ऐसे मोबाइल नंबर जो यूपीआई एकाउंट्स से तो जुड़े हैं लेकिन वे एक्टिव नहीं है तो उसे 1 अप्रैल से बंद कर दिया जाएगा. इसके साथ ही, उसे बैंक रिकॉर्ड से भी हटा दिया जाएगा.

क्रेडिट कार्ड पर बदलाव - एबीआई के सिम्पली क्लिक क्रेडिट कार्ड ने स्विगी रिवॉर्ड के प्वाइंट्स को 10 गुणा से घटाकर 5 गुणा करने का एलान किया तो वहीं एयर इंडिया सिग्नेटर पॉइंट्स को 30 से कम कर 10 करने की घोषणा की है.

एलपीजी पर असर - तेल और गैस वितरण कंपनियां हर महीने की पहले तारीख को रसोई गैस की कीमतों को रिवाइज करती है. उम्मीद की जा रही है कि नए वित्त वर्ष में रसोई गैस में कुछ राहत मिल सकती है. जबकि, बात अगर अगर गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाली सीएनजी की कीमतों की करें तो कुछ बदलाव हो सकते हैं.

बैंक खातों से जुड़े बदलाव - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पीएनबी समेत कई अन्य बैक ने मिनिमम बैंक बैलेंस में बदलाव कर रहे हैं. अब सेक्टर वाइज के आधार पर ही मिनिमम बैलेंस की नई सीमा तय होगी और उन पर चार्च किया जाएगा. ऐसे में इसका सीधा बैंक खाता धारकों की जेब पर असर होगा.

भारत में 284 अरबपति

नई दिल्ली। अरबपतियों की संख्या के मामले में देश तीसरे स्थान पर है, जो केवल अमेरिका और चीन से पीछे है. अमेरिका 870 अरबपतियों के साथ इस लिस्ट में टॉप पर है. भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़कर 284 हो गई है और इन अरबपतियों के पास कुल 98 लाख करोड़ रुपये संपत्ति है. हुरुन ने अपने एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी है.

हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट फॉर 2025 के मुताबिक 284 अरबपतियों में 90 अरबपति देश की फाइनेंशियल कैपिटल मुंबई में रहते हैं. भारत वैश्विक मंच पर मजबूत स्थिति में बना हुआ है, अरबपतियों की संख्या के मामले में देश तीसरे स्थान पर है, जो केवल अमेरिका और चीन से पीछे है. अमेरिका 870 अरबपतियों के साथ इस लिस्ट में टॉप पर है. हुरुन रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 175 भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में वृद्धि हुई है, जबकि 109 की संपत्ति में या तो गिरावट आई है या कोई बदलाव नहीं हुआ है. एक भारतीय अरबपति की औसत संपत्ति अब 34,514 करोड़ रुपये है. इसके अलावा, भारत में 40 वर्ष से कम आयु के सात अरबपति हैं, जिनमें से अधिकांश बेंगलुरु और मुंबई के हैं. अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस 266 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं. मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने मेटा के एआई और टेक्नोलॉजी में अपग्रेड में मजबूत निवेशक विश्वास के कारण पहली बार टॉप तीन में जगह बनाई. इस साल की हुरुन लिस्ट में मनोरंजन, खेल और सोशल मीडिया से भी नाम शामिल रहे. इनमें सिंगर जे-जेड, रिहाना, टेलर स्विफ्ट और पॉल मेकार्टनी शामिल रहे.

बीते एक साल में 10 फीसदी औसतन बढ़ी संपत्ति

हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट फॉर 2025 के मुताबिक देश के सबसे धनी व्यक्तियों की कुल संपत्ति में पिछले एक साल में 10 फीसदी की बढ़ोतरी आई है. ग्लोबल फ्रंट पर टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने पिछले साल 189 बिलियन डॉलर की कमाई के साथ सबसे बड़ी संपत्ति वृद्धि दर्ज करवाई. अरबपति ने पांच साल में चौथी बार दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में अपना खिताब बरकरार रखा और वह 400 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार करने वाले पहले व्यक्ति बन गए.

क्या Ghibli चुरा रहा है आपका चेहरा?

सोशल मीडिया इन दिनों OpenAI के ChatGPT 4o की मदद से Ghibli स्टाइल में बनाई जाने वाली तस्वीरों से पटा पड़ा है. फेसबुक हो या इंस्टाग्राम या फिर एक्स, हर तरफ लोग अपनी घिबली तस्वीरों को जमकर शेयर कर रहे हैं. लोग घिबली स्टाइल में तस्वीर बनवाने के लिए AI के साथ ना सिर्फ अपनी फोटो शेयर कर रहे हैं, बल्कि अपने परिवार, यहां तक कि छोटे-छोटे बच्चों की भी तस्वीरें शेयर कर रहे हैं. लेकिन, क्या इस तरह की हरकत करने वाले लोग, इस बात से अनजान हैं कि वह ऐसा करके ना सिर्फ अपनी तस्वीरों का डेटा AI कंपनियों के साथ शेयर कर रहे हैं, बल्कि अनजाने में ही वह अपना फेशियल रिकॉग्निशन भी उन्हें सौंप रहे हैं.

हर रोज आपका चेहरा चुराया जा रहा है

ऐसा नहीं है कि हम सिर्फ घिबली की वजह से ही अपना फेशियल रिकॉग्निशन एआई कंपनियों को सौंप रहे हैं. दरअसल, हम रोजाना AI कंपनियों को अपनी फोटो देते हैं. चाहे वह फोन अनलॉक करने के लिए हो, सोशल मीडिया पर टैग करने के लिए या किसी सर्विस का इस्तेमाल करने के लिए.इसे ऐसे समझिए कि जब हम सोशल मीडिया पर फोटो डालते हैं या ऐप्स को कैमरा एक्सेस देते हैं, तो हम अक्सर इसके खतरे को नजरअंदाज कर देते हैं.

इसका परिणाम ये होता है कि AI कंपनियां हमारे चेहरे के यूनिक डाइमेंशन्स को स्कैन करके स्टोर कर लेती हैं. ये डेटा पासवर्ड या क्रेडिट कार्ड नंबर से भी ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि उन्हें तो आप बदल सकते हैं, लेकिन अगर आपका चेहरा चोरी हो जाए तो आप उसे नहीं बदल सकते.

साप्ताहिक शहर सत्ता

लाल आतंक थर्राया, फोर्स के सामने 50 ने किया सरेंडर

बीजापुर (शहर सत्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे के कुछ पहले नक्सलगढ़ बीजापुर में लाल आतंक को बड़ा झटका लगा। रविवार को एक साथ 50 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन नक्सलियों में से 14 माओवादियों पर कुल 68 लाख का इनाम था, बीजापुर पुलिस और सीआरपीएफ के बड़े अधिकारियों के सामने कुल 50 नक्सलियों ने हथियार डाले हैं। बीजापुर के एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि नक्सलियों की खोखली विचारधारा से परेशान होकर कुल 50 माओवादियों ने हथियार डालने का फैसला किया। माओवादियों की खोखली और अमानवीय विचारधारा और शोषण से तंग आकर नक्सलियों ने खून खराबे और हिंसा का रास्ता छोडने की ठानी है। सरकार की तरफ से चलाए जा रहे नियद नेल्लानार योजना (इसका अर्थ होता है मेरा अच्छा गांव) से नक्सली प्रभावित हो रहे हैं। इस योजना के तहत धुर नक्सल इलाकों में विकास पहुंच रहा है। दूर दराज के नक्सलगढ़ में सुरक्षा बलों के कैंप खुल रहे है। इस वजह से नक्सली प्रभावित हो रहे हैं। एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि सरेंडर करने वाले 50 नक्सलियों में से 6 पर 8-8 लाख का इनाम है। तीन नक्सलियों पर 5-5 लाख का इनाम है। पांच नक्सलियों पर 1-1 लाख का इनाम घोषित है। जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बस्तर फाइटर्स, स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), सीआरपीएफ और इसकी विशिष्ट इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन) ने इन नक्सलियों के सरेंडर में अहम भूमिका निभाई है। नक्सल संगठन छोड़कर समाज की मुख्य धारा में शामिल होने के लिए नक्सलियों ने हथियार डाले हैं. इन लोगों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत मदद पहुंचाई जाएगी।

सीएम साय ने इसे ऐतिहासिक बताया

इतने ज्यादा संख्या में नक्सलियों के सरेंडर को सीएम विष्णुदेव साय ने ऐतिहासिकसीएम साय ने इसे ऐतिहासिक बताया। इतने ज्यादा संख्या में नक्सलियों के सरेंडर को सीएम विष्णुदेव साय ने ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि यह ऐतिहासिक है। बीजापुर में एक साथ इतने नक्सलियों का सरेंडर हमारी नक्सल उन्मूलन नीति को और प्रभावी बनाता है। इसके साथ ही सरकार की तरफ से चलाए जा रहे योजनाओं पर मुहर भी लगाता है, जिससे नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि यह ऐतिहासिक है। बीजापुर में एक साथ इतने नक्सलियों का सरेंडर हमारी नक्सल उन्मूलन नीति को और प्रभावी बनाता है। इसके साथ ही सरकार की तरफ से चलाए जा रहे योजनाओं पर मुहर भी लगाता है, जिससे नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं।

सीएम ने दी ईद की मुबारकबाद

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ईद-उल-फितर की मुबारकबाद देते हुए सभी प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और शांति की कामना की है। उन्होंने कहा कि ईद का त्यौहार इंसानियत, भाईचारे और सौहार्द्र का प्रतीक है। यह पर्व मिलजुलकर रहने, भेदभाव मिटाने और सौहार्द्र बढ़ाने का संदेश देता है।

आज मनाई जाएगी मीठी ईद

रमजान के पवित्र महीने के आखिरी दिन चांद का दीदार हो गया है, जिसके बाद भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और कई अन्य देशों में 31 मार्च को ईद-उल-फितर मनाई जाएगी। लखनऊ, असम, बिहार और अन्य शहरों में चांद देखे जाने की पुष्टि के बाद लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। शिया समुदाय और बिहार के इमारत-ए-शरिया ने भी इसकी तस्दीक की है। चांद दिखते ही मस्जिदों में ईद की नमाज की तैयारियां शुरू हो गईं और बाजारों में रौनक लौट आई। वहीं, सऊदी अरब और खाड़ी देशों में आज 30 मार्च को ईद मनाई गई। रमजान के 29वें रोजे के बाद रविवार शाम को भारत और पाकिस्तान में ईद का चांद नजर आया। लखनऊ की ऐशबाग ईदगाह और असम के गुवाहाटी में चांद देखे जाने की पुष्टि हुई। बिहार के इमारत-ए-शरिया ने भी ऐलान किया कि 31 मार्च को ईद मनाई जाएगी।

चेट्रीचंड महोत्सव में दिखी नारी शक्ति की झलक स्कूटर रैली निकालकर मनाई गई झूलेलाल जयंती

रायपुर/धमतरी (शहर सत्ता)। राजधानी रायपुर समेत प्रदेशभर में रविवार को चेट्रीचंड की 1075वीं जयंती पर विभिन्न आयोजनों के साथ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत और सिंधी कौंसिल ऑफ़ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई के विभिन्न कार्यक्रम हुए। शहर की सड़कों में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा से पहले भगवान झूलेलाल का अभिषेक और पूजा-अर्चना की गई। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए जयस्तंभ चौक पहुंची। शोभायात्रा में बैंड-बाजों की धुन पर महिलाएं और पुरुष भगवान झूलेलाल के भजनों पर झूमते नजर आए। युवा ढोल की थाप पर डांस करते रहे। शोभायात्रा में भगवान झूलेलाल का सुंदर रथ सजाया गया। शहर के प्रमुख मार्गों पर विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। भगवान झूलेलाल की महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में सिंधी समाज के हर आयु वर्ग के लोग शामिल हुए। बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे उपस्थित रहे।

10 साल से चली आ रही है परंपरा फोटो रैली

सिंध शक्ति महिला संगठन से जुड़ी महिलाओं ने बताया कि ये आयोजन छत्तीसगढ़ के धमतरी में पहली बार 10 वर्ष पहले शुरुआत की गई थी, अब अन्य राज्यों में भी इसकी शुरुआत हो गई है। महिलाएं आज के दिन का खास इंतजार करती हैं। इस स्कूटर रैली में एक हजार से ज्यादा महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। स्कूटर रैली विंध्यवासिनी मंदिर में माता की आरती के बाद शुरू हुई जो सदर मार्ग होते हुए घड़ी चौक में खत्म हुई। घड़ी चौक में झूलेलाल की महाआरती की गई. जगह जगह अलग अलग समाज और संगठनों ने गर्मजोशी के साथ रैली का स्वागत किया। महिला स्कूटर रैली को देखने के लिए सड़क के दोनों तरफ भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान लोगों ने महिलाओं की हौंसला अफजाई भी की। इस स्कूटर रैली के माध्यम से शांति सद्भावना और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया।

एक जैसे परिधान में नजर आईं महिलाएं

सभी महिलाओं ने सफेद और भगवा रंग के परिधान पहने नजर आई। इसके बाद जय झूलेलाल के जयकारों के साथ शहर में स्कूटर रैली निकाली गई। जिसका जगह-जगह अन्य समाज और सामाजिक संगठनों ने स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ में सस्ती हुई शराब, रेट लिस्ट जारी

प्रदेश में शराब प्रेमियों को सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार ने नई दरों की घोषणा के साथ 4 प्रतिशत तक की कमी की है। नई रेट लिस्ट के मुताबिक शराब की कीमतों में 40 रूपये तक की कमी की गई है। शराब के शौकिनों को एक बोतल खरीदने पर 40 रूपये तक कम देने होंगे। मशहूर गजल गायक पंकज उधास की एक प्रसिद्ध गजल है जो आज भी याद की जाती हैं, वो गजल हैं... हुई महंगी शराब कि थोड़ी थोड़ी पिया करों...वाली शिकायत को अब छत्तीसगढ़ सरकार ने दूर कर दिया। राज्य सरकार ने नई आबकारी नीति में विदेशी शराब को सस्ता कर दिया है। दरअसल, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नई दरों की घोषणा की गई है। ये दर 1 अप्रैल से सभी मदिरा दुकानों में लागू हो जाएगी। नई लिस्ट के मुताबिक शराब की कीमतों में 4 प्रतिशत तक की कमी की गई है। जो बोतल पहले 800 रूपये में मिलती थी, वो अब 760 रूपये तक मिलेगी। वहीं, पौवा की कीमतों में भी 10 से 20 रूपये तक की कमी की गई है। प्रदेश में पहले जो पव्वा 200-220 रूपये में मिलता था वो अब 210, 180 से 190 रूपये तक मिलेगा। नई सूची में गोवा पीने वालों को भी बड़ी राहत मिली है। गोवा पव्वा में भी 10 रूपये तक की कमी की गई है।

सकलनारायण में होता है श्री कृष्ण का अद्भुत दर्शन

बीजापुर (शहर सत्ता)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिला से करीब 47 किमी दूर चेरपल्ली के पास सकलनारायण की पहाड़ी है। इस पहाड़ी पर स्थित गुफा में भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति है। हर साल गुड़ी पड़वा यानी हिन्दू नववर्ष के दिन बड़ी तादात में श्रद्धांलु दर्शन करने के लिए यहां पहुंचते हैं।

सकलनारायण गुफा तक पहुंचने कोई पक्का रास्ता नही हैं। पगडंडियों के रास्ते से होकर भगवान के दर्शन करने भक्त पहुंचते हैं। गुफा के अन्दर घनघोर अंधेरा रहता है। दर्शन करने आए भक्त अपने साथ टार्च या मोबाईल टार्च के सहारे अन्दर प्रवेश करते हैं। सामने के प्रवेश द्वार पर चौखट लगी है। सकलनारायण गुफा में नव वर्ष पर मेला: सकलनारायण गुफा के अंदर बहुत सारी सुरंगें हैं। इन सुरंगों में भगवान विराजे हुए हैं। पहाड़ी के अन्दर दस मीटर की सुरंग है, जहां गोपिकाओं की मूर्तियां हैं। भक्त यहां भी घुटनों के बल जाकर दर्शन कर लौटते हैं। बाहर निकलने का रास्ता काफी छोटा और संकरा है। यहां घुटनों के बल चलकर निकलना होता है। सकलनारायण गुफा का अंतिम द्वार एकदम अनोखा है। गुफा के आसपास सैकड़ों मधुमक्खियों के छत्ते लगे हैं। पहाड़ी के आसपास गांव के पुजारी और ग्रामीण भगवान के दर्शन की पूरी व्यवस्था करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण और राधा की शादी: हिन्दू नववर्ष के अंतिम और शुरुआत के समय भगवान श्रीकृष्ण और राधा की शादी रचाई जाति है। यह कार्यक्रम पूरे रीति रिवाज से किया जाता है. आसपास के ग्रामीण इस आयोजन में शामिल होते हैं। भगवान की मूर्तियों की शादी रचाई जाति है. यह कार्यक्रम पूरे पांच दिन का होता है।

शादी समारोह के अंतिम दिन हिन्दू नववर्ष की शुरुवात होती है. दर्शन के लिए आए भक्तों के लिए समिति के तरफ से भोजन का इंतजाम किया जाता है.भगवान के दर्शन के लिए दूर दूर से भक्त यहां पहुंचते हैं. पम्भोई परिवार ने बताया कि साल 1900 में गुफा की खोज हुई थी. हर साल यहां चैत्र कृष्ण पक्ष अमावस्या के तीन दिन पहले से मेला लगता है.

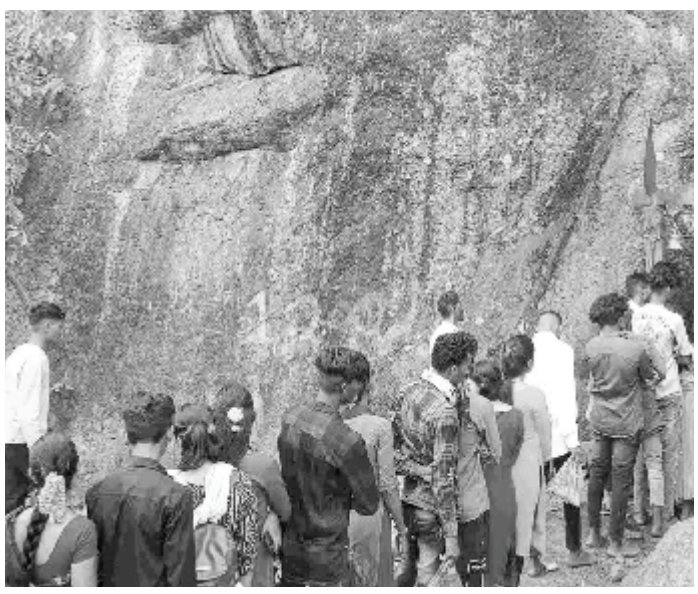

छत्तीसगढ़ का स्वर्ग

जशपुर

छत्तीसगढ़ का जशपुर जिला, अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, और वर्तमान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इन संभावनाओं को वास्तविकता में बदलने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जशपुर न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है।

जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता

जशपुर की भौगोलिक स्थिति इसे विशेष बनाती है। यहाँ के मधेश्वर पहाड़ अपने अनोखे भू-आकृतिक स्वरूप के लिए प्रसिद्ध हैं। पहाड़ों की श्रृंखला, हरे-भरे जंगल, झरने और शांत वातावरण यहाँ आने वाले पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। खासकर मानसून के मौसम में मधेश्वर पहाड़ों की हरियाली और जल प्रपातों की आवाज पर्यटकों को रोमांचित करती है।

इसके अलावा, जिले में स्थित रानीदाह जलप्रपात, दमेरा का जंगल, और कोडार जलप्रपात जैसे स्थल भी प्रमुख पर्यटक आकर्षण हैं। यहाँ का हरियाली भरा वातावरण और शुद्ध हवा पर्यटकों को शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर ले जाकर प्रकृति की गोद में समय बिताने का मौका देती है।

सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

जशपुर की सांस्कृतिक विविधता इसे खास बनाती है। यहाँ के स्थानीय आदिवासी समुदायों की परंपराएं, नृत्य, और संगीत पर्यटन को एक अनोखा आयाम प्रदान करते हैं। मधेश्वर महादेव मंदिर, चंद्रपुरी का सूर्य मंदिर, और अन्य धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है। ये स्थल न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं बल्कि ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं।

यहाँ का वार्षिक महोत्सव और अन्य सांस्कृतिक आयोजन स्थानीय संस्कृति को देखने और समझने का अद्भुत अवसर प्रदान करते हैं। पर्यटक इन आयोजनों में भाग लेकर स्थानीय जीवनशैली को करीब से जान सकते हैं।

मधेश्वर पहाड़

विवरण: मधेश्वर पहाड़ जशपुर जिले का सबसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है। यहाँ स्थित मधेश्वर महादेव मंदिर अपनी धार्मिक मान्यता और विशालतम शिवलिंग के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इस शिवलिंग को हाल ही में "दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग" के रूप में मान्यता दी गई है, जो इसे विश्व मानचित्र पर स्थान देता है। पहाड़ की चोटी से क्षेत्र का अद्भुत दृश्य देखा जा सकता है।

पहुंचने के साधन: यह रायगढ़ से लगभग 200 किलोमीटर की दूरी पर है और सड़क मार्ग से आसानी से पहुँचा जा सकता है। जशपुर रेलवे स्टेशन और रायपुर हवाई अड्डे से यह स्थल जुड़ा हुआ है।

ठहरने की सुविधा: आस-पास विश्राम गृह, छोटे होटल और होमस्टे उपलब्ध हैं। सरकारी प्रयास: सरकार ने यहाँ सड़कों को बेहतर बनाया है, पार्किंग सुविधा विकसित की है, और जलपान केंद्र स्थापित किए हैं। शिवलिंग के चारों ओर एक व्यवस्थित पर्यटक कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना भी चल रही है।

रोमांचक स्थल

ट्रैकिंग और प्रकृति भ्रमण

जशपुर में ट्रैकिंग के दौरान आपको अद्भुत दृश्य देखने को मिलेंगे। बेलवार, सेंधपानी और मकरभजा जैसे स्थल इस क्षेत्र के प्रमुख ट्रैकिंग स्थल हैं।

कैम्पिंग

देशदेखा, चाय बागान, डांगरी, और खुदियारानी जैसे स्थानों पर कैम्पिंग का अनुभव शानदार है। ये स्थल जशपुर में कैम्पिंग के लिए सर्वोत्तम स्थानों में से एक हैं।

पक्षी और तितली अवलोकन

जशपुर 230 से अधिक पक्षी प्रजातियों और 120 तितली प्रजातियों का घर है। यहां के वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह एक स्वर्ग जैसा स्थान है।

मौसम और यात्रा का सर्वोत्तम समय

सितंबर से फरवरी तक का समय जशपुर घूमने के लिए सबसे उपयुक्त है। अगर आप बारिश का आनंद लेना चाहते हैं तो मानसून में जशपुर और भी जादुई हो जाता है।

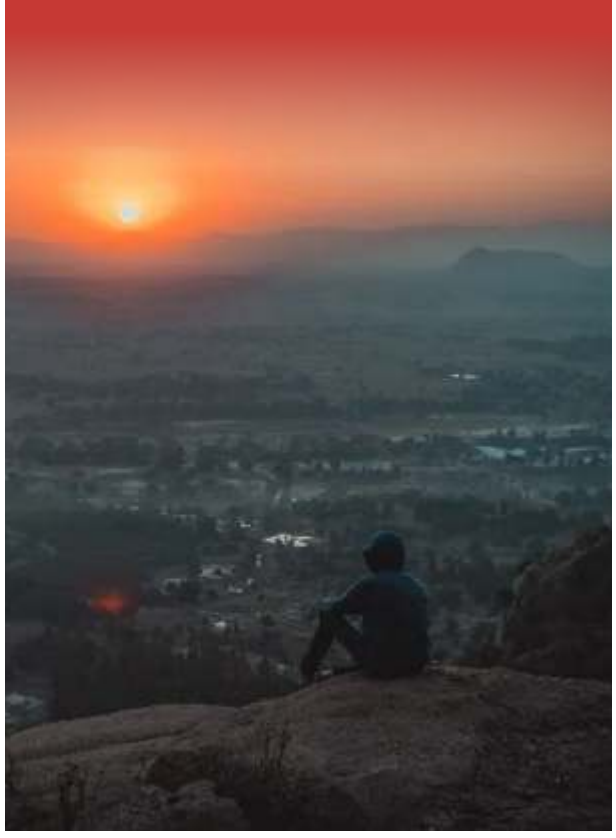

रानीदाह जलप्रपात

विवरण: यह जलप्रपात अपनी शांति और प्राकृतिक खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है। यह पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए आदर्श स्थान है।

पहुंचने के साधन: जशपुर शहर से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है।

ठहरने की सुविधा: जलप्रपात के पास अस्थायी दुकानों के अलावा स्थानीय होमस्टे सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

सरकारी प्रयास: साफ-सफाई और पर्यटकों के लिए बैठने की सुविधाओं का विशेष ध्यान दिया गया है। जलप्रपात तक पहुँचने के रास्ते को चौड़ा और सुरक्षित बनाया गया है।

दमेरा का जंगल

विवरण: यह जंगल एडवेंचर प्रेमियों के लिए एक आदर्श स्थान है। यहाँ ट्रेकिंग, बर्ड वॉचिंग, और जंगल सफारी जैसी गतिविधियाँ की जा सकती हैं।

पहुंचने के साधन: यह जशपुर से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर है।

ठहरने की सुविधा: जंगल के निकट इको-फ्रेंडली होमस्टे उपलब्ध हैं।

सरकारी प्रयास: दमेरा जंगल को इको-टूरिज्म केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्थानीय गाइडों को प्रशिक्षित किया गया है और पर्यटकों के लिए निर्देशित ट्रेल्स बनाए गए हैं।

कैलाश गुफा

कैलाश गुफा जशपुर का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यह गुफा उरांव और आदिवासी जनजातियों के निवास स्थान के पास स्थित है, जो प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध हैं। यहां का वातावरण शांति और सौंदर्य से भरपूर है। पास में स्थित अलकनंदा जलप्रपात इस स्थान को और भी आकर्षक बनाता है। गुफा के भीतर मंदिर और आसपास का जंगल इसे एक आदर्श धार्मिक और प्राकृतिक स्थल बनाता है।

खुदियारानी गुफा

खुदियारानी गुफा जशपुर नगर के पास एक सांस्कृतिक धरोहर स्थल है। यह गुफा स्थानीय कोरवा जनजाति द्वारा पूजी जाती है और बगीचा गांव से लगभग 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। गुफा के अंदर एक मंदिर स्थित है, और यहां का अंधेरा वातावरण इसे और रहस्यमयी बनाता है।

सोगरा आश्रम

सोगरा अघोर आश्रम जशपुर नगर से 18 किलोमीटर दूर स्थित है और यह धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल है। यहाँ स्थित अवधूत भगवान श्रीराम मंदिर को देखने के लिए हर साल कई पर्यटक आते हैं। इस आश्रम का माहौल शांति और ध्यान के लिए उपयुक्त है।

फ़िल्मी धंधा... सगे भाई-बहन को बना दिया प्रेमी जोड़ा

रिश्तों और पवित्र बंधन को तार तार करती फिल्म इंडस्ट्रीज

छत्तीसगढ़ी फिल्म 'मया बिना रहे नई जाए' विवाद में आई

हॉलीवुड की तर्ज पर छालीवुड ने पेश किया रिश्तों का नमूना

इन दिनों छत्तीसगढ़ी फिल्म 'मया बिना रहे नई जाए' गंभीर विवादों में है। इसकी वजह है सेज भाई और बहन को फिल्म में हीरो-हीरोइन का किरदार दिया गया है। रियाल लाइफ में जो भाई अपनी बहन को पवित्र स्नेह और रिश्ते की डोर में बंधा रखता है। अब वही छालीवुड फिल्म इंडस्ट्रीज की धंधेबाजी के फेर में रील लाइफ में प्रेमी-प्रेमिका और प्यार-दुलार करते दिखाई देंगे। हालांकि ऐसे ही एक उल्लेखनीय उदाहरण हॉलीवुड की एन्सेल एलगॉर्ट और शैलेन वुडली हैं, जिन्होंने "डाइवर्जेंट" फिल्मों में भाई-बहन की भूमिका निभाई और फिर "द फॉल्ट इन आवर स्टार्स" में स्टार-क्रॉस्ड प्रेमियों की भूमिका निभाई।

करण और किरण की पहचान फ़िल्मी गीतों के एल्बम की दुनिया में खासे लोकप्रिय है। जिसे एवीएम वालों ने स्क्रीन पर भुनाने के लिए सगे भाई-बहनों को फिल्म में बतौर हीरो-हीरोइन ले लिया है। स्वाभाविक है विरोध तो होगा ही। फिल्म से जुड़ी जानकारी सोशल मीडिया पर आते ही विरोध की आग उठने लगी और यही आग अब दावानल बनकर हिन्दू संगठनों तक भी पहुँच गई है। कुछ कट्टरवादी संगठन ने इसे सनातनी परंपरा और नैतिकता का हवाला देते हुए पुरजोर विरोध शुरू कर दिया है। फिल्म पर रोक लगाने की मांग भी शुरू हो गई है।

जानकारी के मुताबिक शिकायत का पहला मामला राजनांदगांव से आया है। जहां विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने प्रशासन को चेतावनी भरा शिकायती पत्र सौंपा। इसमें कहा गया कि फिल्म में भाई बहन को हीरो हीरोइन दिखाया जाना अशोभनीय है। सीजी फिल्म इंडस्ट्री के लोग इस फिल्म का पक्ष ले रहे हैं लेकिन निर्देशक प्रणव झा ने सार्वजनिक तौर पर आपत्ति जताई है। सीजी लिव नामक यूट्यूब चैनल में पोस्ट एक इंटरव्यू में प्रणव झा ने लिखा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। भाई बहन के संस्कारित रिश्तों की परिभाषा गलत रूप ले सकती है।

छॉलीवुड और विवादों का चोली दामन का साथ

1. मोर डौकी के बिहाव

क्षमा निधि मिश्रा ने 'मोर डौकी के बिहाव' बनाई थी। कुछ संगठनों ने फिल्म के टाइटल पर आपत्ति की। उनका कहना था कि कोई अपनी पत्नी की शादी कैसे करा सकता है। पुलिस फोर्स की मौजूदगी में फिल्म रिलीज हुई। आपत्ति को देखते हुए फिल्म का नाम बदला गया। यह फिल्म आगे चलकर 'ऑटो वाले भाटो' के नाम से रिलीज की गई।

2. रौताइन

अमित प्रधान ने साल 2013 में 'रौताइन' फिल्म बनाई थी। जांजगीर और रायगढ़ समेत कुछ इलाकों में यादव समाज ने इस पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि यह जाति सूचक टाइटल है। जनदर्शन में ज्ञापन सौंपा गया और उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई थी। जनभावना को ध्यान में रखते हुए बाद में फिल्म का नाम 'सपनों में सपना' रखा गया।

फिल्म छायाकंन के हुनर के लिए डिग्री नहीं विजन चाहिए

अवार्ड विनर रजत सिंह राजपूत

रजत सिंह राजपुत विगत 8 सालों से छत्तीसगढ़ फिल्म इंडस्ट्री में बतौर सिनेमेटोग्राफर(छायाकार) अपनी प्रतिभा निखार रहे हैं। बतौर छायाकार इनके कैरियर की शुरुआत से पूर्व वर्ष 2016 में वे स्पॉट बॉय के तौर पर छालीवुड में कदम रखे। फिल्म इंडस्ट्री में अपने मामा की तरह इन्हें भी छायाकार बनना था और कड़ी मेहनत से आज अवार्डेड सिनेमेटोग्राफर हैं। फिर छोटी छोटी फिल्मों से बारीकी सीखते हुए आगे बढे और दो साल से लगातार बेस्ट सिनेमेटोग्राफर का अवॉर्ड हासिल है। इंडस्ट्री को लेके रजत का कहना है हर जगह अच्छे-बुरे लोग होते हैं। हमारी फिल्म इंडस्ट्रीज में भी ऐसे हैं, लेकिन ज्यदातर यहां लोग किसी को आगे बढ़ते हुए नहीं देख सकते। सिर्फ चापलूसी और गुटबाजी करके सबकी बुराई करना और सिखने-बनने की ललक वाले साथियों को कैसे गिराया जाए इसमें ज्यादा ध्यान होता है। अपना निजी अनुभव बताते हुए रजत बोले, अगर आप सफल हो गए तो इस सिनेमा लाइन में आप ऐसों के टारगेट भी बनोगे। अब तक रजत की दो फ़िल्में खासी सराही गई हैं। मेरी कामयाबी और मिल रहे प्यार-सम्मान के लिए मेरे गुरुजन, चाहने वाले और सबसे ज्यादा मेरे दर्शकों का हृदय से आभार जिन्होंने मुझपर भरोसा किया और मान सम्मान प्यार दिया।

पहचान के मोहताज नहीं सुखदेव 'सुक्खी'

सुखदेव ने अपने काम से बताया हुनर के लिए डिग्री नहीं विजन चाहिए। अगर आपके अंदर कुछ अलग करने का जुनून हो तो आप मंजिल पा सकते हैं। जश्पूर के पत्थल गांव निवासी सुखदेव मधू उर्फ सुखी की कहानी भी कुछ ऐसी ही है उन्हें कैमरो से प्यार था स्कूल के दिनों में किसी भी फोटो स्टूडियो में जाकर कैमरा निहारा करते थे। एक बार उन्होंने स्टूडियो के कैमरे को चुओ दिया था तो ओनर ने बाहर निकाल दिया। तब से सुखी ने संकल्प लिया कि वे इससे बड़ा कैमरा चलाएंगे एक दिन ऐसा भी आया जब उन्हें IPL में ग्राउंड सेनिमेटोग्राफर के तौर पर काम करने का मौका मिला 'सुक्खी' ने बताया कि वह 21 वर्ष की उम्र में डीओपी यानि डायरेक्टर औफ फोटोग्राफी थे। उन्होंने स्कूल तक की पढ़ाई की दोस्तों के साथ फोटो क्लिक करने जाते तो सभी उनके खीचे फोटो की तारीफ करते थे। फिर उन्होंने इसी में अपना कैरियर बनाने की ठानी। उनका कहना है किसी भी हुनर के लिए डिग्री से ज्यादा विजन की जरुवत होती है। उन्होंने सिनिमेटोग्राफी की कोई प्रॉपर डिग्री नहीं ली है। बस जुनून था कि कैमरे पर वर्क करना है। टीवी शो, वेब सिरीज और फिल्मों में भी हुनर दिखा चुके हैं। वारियर हंट केबीसी जैसे टीवी शो में भी उन्होंने टीम के साथ सिनिमेटोग्राफिक की है इसके अलावा कुछ वेब सिरीज और धर्मा प्रड़ेक्शन के लिए काम किया है। सुखी नई पीढ़ी से अपील करते हैं कि अपने काम को एकाग्र होकर कीजिए सफलता जरूर मिलेगी।

शहरसत्ता के कला समीक्षक पूरन किरी की प्रस्तुति

फ़िल्म समीक्षा

मया के पाती

जे. नूतन पंकज निर्देशित छत्तीसगढ़ी फिल्म "मया के पाती' शुक्रवार को रिलीज हुई। यह फिल्म प्यार के खुशनुमा अहसास से सराबोर है। कहानी प्रेम-राधा और बरखा के पैरलर लव स्टोरी चलती है। प्रेम की एंटीक पीस की शॉप है जिसमें मां भी बैठती है। राधा के घर गिफ्ट आइटम छोड़ने गए प्रेम को पहली नजर में ही राधा से प्रेम हो जाता है। सब कुछ ठीक चल रहा होता है लेकिन अचानक से राधा को ब्लड कैंसर हो जाता है। वो प्रेम से दूर हो जाती है लेकिन एक गमले के नीचे उसके प्रेम की पाती मिलती रहती है। इधर प्रेम राधा के वियोग में शराबी हो जाता है। तभी उसकी जिंदगी में म्यूजिक कंपनी की मालिक राधिका की एंट्री होती है। राधिका प्रेम को सिंगर के तौर पर स्थापित करती है। क्या प्रेम की जिंदगी फिर से पटरी पर लौटती है? राधा का आखिर क्या हुआ? गमले के नीचे प्रेम की पाती कैसे आती रही? राधिका कौन? इनके जवाब आपको फिल्म में बांधें रखेंगे। फिल्म का निर्देशन सामान्य से अच्छा है। स्क्रीनप्ले एवरेज है। म्यूजिक अच्छा है। गाने सुनने में अच्छे लगते हैं। अनुराग शर्मा और मोनिका वर्मा का युगल गीत....सजना हे काफी अच्छा है। संवाद और अदायगी की समीक्षा करें तो औसत से थोड़ी ज्यादा ठीक है। हालांकि डायलॉग बहुत दमदार नहीं हैं और दर्शकों को फिल्म का कोई संवाद यादगार महसूस नहीं हुआ। फिल्म में दर्शकों की तालियों की कमी भी खलती है। बैंकग्राउंड म्यूजिक फिल्म की गति को सम्हाले हुए है। एडिटिंग में काफी गुंजाइश थी। फिल्म का लोकेशन भी काफी बेहतर है। जैसे कई सीन और लोकेशन में ड्रोन से की गई पिक्चराइजेशन सराहनीय है। भूपेश और काजल सोनबेर ने अच्छे इमोशन और रिएक्शन दिए हैं। किशन का अभिनय कहीं कहीं ओवर एक्ट लगा। श्रुति भी एवरेज के आसपास रहीं। किशन के पिता का रोल कर रहे सरदार जी भी ओवर एक्टिंग के शिकार हुए। दिव्या नागदेव और संगीता निषाद ने मां की भूमिका के साथ न्याय किया है। फिल्म छत्तीसगढ़ी भाखा में जरूर है, लेकिन हमारी माटी की महक से जरा दूर लगेगी। कुछ सीन थोड़े अटपटे लगते हैं। जब पिकनिक में दोनों कपल ही जा रहे थे तो कीर्ति को वहां दिखाने की क्या जरूरत पड़ी? ऐसे कुछ सीन और भी हैं। लब्बोलुआब यह कि दर्शकों का पैसा वसूल फिल्म है।

पहली बार ऑनलाइन वोटिंग पर आधारित सिनेमा 36 पीपुल्स चॉइस अवॉर्ड 2025 संपन्न

2024 में रिलीज फिल्मों को 16 कैटेगरी में दिए गए अवॉर्ड

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार ऑनलाइन वोटिंग पर आधारित सिनेमा 36 पीपुल्स चॉइस अवॉर्ड 2025 का आयोजन महंत लक्ष्मीनारायण दास कॉलेज में रविवार को आयोजित किया गया। इसमें 2024 को रिलीज फिल्मों को 16 कैटेगरी में अवॉर्ड दिए गए। साथ ही 2 स्मृति अवॉर्ड भी शामिल था। मोर छैयां भुईयां 2 को बेस्ट फिल्म समेत 7 अवॉर्ड मिले। मुख्य अतिथि पत्रकार गुलाल वर्मा रहे। अध्यक्षता देबाशीष मुखर्जी ने की। अन्य अतिथियों में अजय रघुवंशी, यशवंत साहू और एसके गुप्ता मौजूद रहे। नतीजे देखें तो कांटे की टक्कर फीमेल सिंगर कैटेगरी में देखी गई अनुपमा मिश्रा और कंचन जोशी के वोट पर्सेंटेज लगभग बराबर रहे। अनुपमा ने हंडा फिल्म का गीत ए छैल छबीला रे गाकर धूम मचा दी थी। जबकि कंचन जोशी ने डार्लिंग प्यार झुकता नहीं 2 का गाना देख देख के.. गाया था। अवार्ड शो की एंकरिंग करने वालों में क्रांति दीक्षित, अरविंद, मयंक और आरजे नरेंद्र शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राज गीत से हुई। बेबी वर्षा ने कथक की प्रस्तुति दी। अमूल्यनिधि मिश्रा ने छत्तीसगढ़ी गीत पर डांस किया।

शॉर्ट फिल्म की स्क्रीनिंग, फिल्मी मैगजीन रीलॉन्च

मानस शर्मा, देवांश शर्मा, अर्जुन शर्मा की शॉर्ट फिल्म बिसाइड की स्क्रीनिंग हुई। कौशल शर्मा की फिल्मी मैगजीन सिनेमा स्कोप रीलॉन्च की गई। गायिका आरू साहू ने अपने नए एल्बम ऐ हवा की प्रस्तुति दी। भारती वर्मा ने डार्लिंग प्यार झुकता नहीं अगेन के स्टार कास्ट को लॉन्च किया। कार्यक्रम में मोहन सुंदरानी, प्रेम चंद्राकर, भूपेंद्र साहू, मनोज वर्मा, अलक राय, रॉकी दासवानी, अमित जैन, सरिता जैन, भारती वर्मा, पूरन किरी, राकेश मिश्रा, लकी रंगशाही, लाभांश तिवारी, पवन गुप्ता, सुरेश गोंडले आदि उपस्थित थे।

बेस्ट कोरियोग्राफर	:	चंदनदीप (हंडा)
बेस्ट सिंगर फीमेल	:	अनुपमा मिश्रा (ए गोरी...फिल्म हंडा)
		कंचन जोशी (देख देख के...डार्लिंग प्यार झुकता नहीं 2)
बेस्ट सिंगर मेल	:	सुनील सोनी (मोर छैयां भुईयां 2)
बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर	:	सुनील सोनी (मोर छैयां भुईयां 2)
बेस्ट सिनेमेटोग्राफर	:	सिद्धार्थ सिंह (मोर छैयां भुईयां 2)
बेस्ट कॉमेडियन	:	पप्पु चन्द्राकार(हंडा)
बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस	:	दीक्षा जायसवाल (बीए फाइनल ईयर)
बेस्ट डेब्यू एक्टर	:	दीपक साहू (मोर छैयां भुईयां 2)
बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस	:	अंजली सिंह (माटी पुत्र)
बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर	:	क्रांति दीक्षित (माटी पुत्र)
बेस्ट एक्ट्रेस निगेटिव	:	उपासना वैष्णव(दूल्हा राजा)
बेस्ट एक्टर निगेटिव	:	पुष्पेंद्र सिंह (माटी पुत्र)
बेस्ट एक्ट्रेस	:	दीक्षा जायसवाल (मोर छैयां भुईयां 2)
बेस्ट एक्टर	:	अमलेश नागेश (हंडा)
बेस्ट डायरेक्टर	:	सतीश जैन (मोर छैयां भुईयां 2)
बेस्ट फिल्म	:	मोर छैयां भुईयां 2

दो स्मृति अवॉर्ड

निशांत उपाध्याय स्मृति सम्मान	:	संजय महानंद
राजेश अवस्थी स्मृति सम्मान	:	मनोज जोशी

नवरात्रि पर सजा माता का दरबार

छत्तीसगढ़ के इन देवी मंदिरों में अनुभव करें मां की दिव्य महिमा

घने जंगलों और ऊंची पहाड़ियों के बीच बसा डोंगरगढ़ एक बार फिर नवरात्रि महोत्सव के लिए तैयार है. चैत्र नवरात्र 30 मार्च से 6 अप्रैल तक है. इस दौरान लाखों श्रद्धालु मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए यहां पहुंचेंगे. पर्व की भव्यता को देखते हुए मंदिर ट्रस्ट,जिला प्रशासन रेलवे और पुलिस बल ने व्यापक इंतजाम किए हैं. मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए लाखों की संख्या में भक्त दूर-दूर से आते हैं.

ऊंचे पहाड़ पर विराजमान हैं मां बम्लेश्वरी

विश्व प्रसिद्ध मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर राजनांदगांव जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर डोंगरगढ़ की ऊंचे पहाड़ों पर स्थित है.1600 से अधिक फिट की ऊंचाई पर ये मंदिर स्थित है. जहां लगभग 1100 सीढ़ियां चढ़कर भक्तों को माता के दर्शन होते हैं.इसके साथ ही सीढ़ी नहीं चढ़ पाने वाले भक्तों के लिए रोपवे की भी व्यवस्था की गई है.दर्शनार्थियों के लिए रोपवे सेवा केवल दिन में उपलब्ध रहेगी. जिसका किराया 100 रुपए आना-जाना और 70 रुपए सिर्फ एकतरफा तय किया गया है. सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए इस बार 1200 पुलिस जवानों की तैनाती की गई है.मां बम्लेश्वरी मंदिर में इस बार लगभग 10000 ज्योति कलश की स्थापना की जाएगी।

2000 साल पुराना है मंदिर का इतिहास

डोंगरगढ़ को प्राचीन समय में कामाख्या नगरी के नाम से जाना जाता था. मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर का इतिहास 2000 साल से भी अधिक पुराना है.राजा विक्रमादित्य और कामसेन और उनसे जुड़ा हुआ ये मंदिर प्रदेश और देश में अपनी एक अलग पहचान रखता है. मां बम्लेश्वरी बंगलामुखी रूप में यहां विद्यमान हैं. जिसके दर्शन के लिए लाखों की संख्या में भक्त यहां पहुंचते हैं. मंदिर परिसर को भव्य रोशनी और फूलों से सजाया गया है। मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा पूरे नवरात्र शतचंडी महायज्ञ और दुर्गा सप्तशती पाठ का आयोजन किया जाएगा,अष्टमी को हवन और पूर्णाहुति,जबकि नवमीं को ज्योति विसर्जन किया जाएगा.रेलवे विभाग ने भक्तों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों और अतिरिक्त स्टॉपेज की व्यवस्था की है।

रतनपुर महामाया मंदिर, बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में स्थित रतनपुर महामाया मंदिर धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यह मंदिर बिलासपुर से लगभग 28 किलोमीटर की दूरी पर है। यह माता महामाया को समर्पित है। यह मंदिर लगभग 300 साल प्राचीन है और इसे वास्तुकला की दृष्टि से भी उन्नत माना जाता है। यहां मां महामाया के भक्त बड़ी संख्या में पहुंचते हैं और उनकी पूजा करते हैं। यह स्थान नवरात्रि के समय विशेष रूप से आस्था का गढ़ बन जाता है, नवरात्रि के दौरान यहां हजारों भक्त माता का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

दंतेश्वरी माता मंदिर, दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में स्थित दंतेश्वरी माता का मंदिर देवी के 51 शक्तिपीठों में से एक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यहां देवी सती के दांत गिरे थे। इसलिए इसे "दंतेश्वरी" के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर धार्मिक के साथ पौराणिक दृष्टि से भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। सुदूर दंतेवाड़ा क्षेत्र में होने के बावजूद यहां भक्त बड़ी संख्या में आते हैं। नवरात्रि के समय यहां विशेष पूजा अर्चना और उत्सव होता है।

खल्लारी माता मंदिर, महासमुंद

महासमुंद जिले से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित खल्लारी माता का मंदिर एक ऊंची पहाड़ी पर बना है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्तों को पैदल चढ़ाई करनी पड़ती है, लेकिन यहां की प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक माहौल मन को शांति प्रदान करती है। खल्लारी माता के धाम पर हमेशा भक्तों की भीड़ लगी रहती है और नवरात्रि के समय यहां विशेष पूजा और भव्य मेला लगता है। इस मंदिर से जुड़ी पौराणिक कहानियों के कारण इसका धार्मिक महत्त्व और भी बढ़ जाता है।

महामाया मंदिर, अंबिकापुर

अंबिकापुर में स्थित महामाया मंदिर भी पहाड़ी पर ही बना हुआ है। यह मंदिर देवी महामाया को समर्पित है और नवरात्रि के समय यहां विशेष पूजा-अर्चना होती है। इस मंदिर की खासियत यह है कि यहां बलि भी चढ़ाई जाती है। यहां की बलि प्रथा भक्तों के लिए एक प्राचीन परंपरा का प्रतीक है। नवरात्रि के समय यहां विशेष मेले का आयोजन किया जाता है। साथ ही इस मंदिर को भव्य तरीके से सजाया जाता है। यह मंदिर अपने धार्मिक महत्त्व के साथ अपनी वास्तुकला के लिए भी जाना जाता है।

'महादेव'... सट्टा, सत्ता और सिर्फ सियासत!

खादी और खाकी पर ईडी, आईटी, ईओडब्ल्यू और अब सीबीआई का कहर

MAHADEV BOOK
King of online world

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि भाजपा अपने अनुषांगिक संगठन ईडी के माध्यम से कांग्रेस नेताओं के खिलाफ षड्यंत्र करती है। भाजपा के इशारे पर ईडी और ईओडब्लू ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कि छवि खराब करने के लिए उनके खिलाफ महादेव ऐप मामले में झूठा मुकदमा दर्ज किया है। भाजपा ने भी पलटवार करते हुए कहा था कि भगवान का नाम लेकर धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, विश्वासघात और जालसाजी रचने वालों पर पर महादेव का प्रकोप बरसना तय है। सत्ता, सियासत और सट्टा के इस अलबेले खेल में हालांकि अब तक जांच एजेंसियां कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं कर पाईं हैं। जिसके तहत कांग्रेस के आला नेताओं, संदिग्ध आईपीएस और प्रशासनिक अधिकारीयों की मुश्कें कसी जा सकें। हालांकि महादेव सट्टा एप वालों के घर बुलडोजर से गिराए जाएं, बड़ी मछली नहीं पकड़ी गई हैं, इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मगरमच्छ भी पकड़े जाएंगे। लेकिन अब तक छोटी मछली, छोड़-बड़ी कोई मछली या मगरमच्छ गिरफ्त में नहीं आता दिख रहा है। 6 हजार करोड़, 500 करोड़ की लेनदेन का दवा करती एजेंसियों को शायद यह नहीं पता कि सट्टे की काली कमाई डिजिटल कैरेंसी में तब्दील करके ट्रांसफर की जा चुकी है। वैसे भी बिटकॉइन या अन्य ऐसी क्रिप्टो टाइप का स्रोत पता लगाना इतना आसान नहीं।

एक झटके में चाइनीज एप बंद तो 'महादेव' क्यों नहीं ?

सवाल उठता है क्या पूरी कार्रवाई सत्ता और सियासत के इर्द-गिर्द है। सट्टे के नाम पर केंद्र से लेकर राज्य की डबल इंजिन सरकार कांग्रेसी नेता उनके शासनकाल के अफसरों को दोषी ठहराने बेक़रार है। केंद्र से लेकर राज्य की जांच एजेंसियां भी टॉप के नेता-अफसरों के घर घुसने तत्पर हैं। लेकिन किसी पर सीधी एफआईआर, गिरफ़्तारी नहीं होना कई सवाल खड़े करता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जैसे तेज तर्रार राजनेता और डबल इंजिन सरकार चाहे तो जैसे एक झटके में दर्जनों चाइनीज एप तत्काल बंद कर दिया था तो दुबई, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैण्ड और गल्फ देशों के अलावा श्रीलंका से महादेव सत्ता एप चलने वालों पर कार्रवाई के लिए क्यों दिक्कत आ रही है।

देश और पूरी दुनिया में चल रहे 'महादेव सट्टे' पर सिर्फ छत्तीसगढ़ में ही बवाल

केंद्र सरकार क्यों नहीं अब तक बंद कर पाई 'महादेव' और सौरभ-रवि को

सेंट्रल एजेंसियों को नहीं मिलेगी सट्टे की रकम, हो गई डिजिटल कैरेन्सी ट्रांसफर

महादेव मामले में ED ने बयान जारी कर बताया था कि महादेव सट्टेबाजी ऐप के प्रमोटरों ने छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 508 करोड़ रुपए का भुगतान किया था। गिरफ्तार किए गए कैश कूरियर (पैसा पहुंचाने वाले प्यादे) असीम दास के हवाले से किया गया। 2 नवंबर को ED ने कूरियर असीम दास उर्फ बप्पा दास के पास से 5.39 करोड़ रुपए बरामद करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया था। असीम दास और उसका साथी कॉन्स्टेबल भीम सिंह यादव रायपुर की जेल में बंद है।

सिपाही से लेकर आईपीएस पर लेनदेन का आरोप

छत्तीसगढ़ पुलिस के दो IG, एक DIG, एक AIG, दो एडिशनल एसपी समेत कई सिपाहियों रिटायर्ड IAS अनिल टुटेजा के यहां भी सीबीआई ने छापा मारा। एक साथ पुलिसकर्मियों के ठिकानों पर छापे ने पुलिस महकमे में खलबली मचा दी है। आईजी आरिफ शेख, आईजी डॉ. आनंद छाबड़ा, डीआईजी प्रशांत अग्रवाल और एआईजी डॉ. अभिषेक पल्लव के घरों पर सीबीआई की कार्रवाई से प्रशासन में भय व्याप्त है। वहीं एडिशनल एसपी संजय ध्रुव और अभिषेक महेश्वरी के घर भी सीबीआई टीम ने दबिश दी है। महादेव सट्टा ऐप कारोबार से जुड़े होने के संदेही दो सिपाहियों के यहां भी सीबीआई की तलाशी जारी है। इतने बड़े पैमाने पर सीबीआई के छापे से छत्तीसगढ़ के पुलिस महकमे में खलबली मच गई है। रायपुर में हवलदार राधाकांत पांडे और संदीप दीक्षित के यहां भी कार्रवाई की।

आईजी आरिफ शेख

आईजी डॉ. आनंद छाबड़ा

डीआईजी प्रशांत अग्रवाल

एआईजी डॉ. अभिषेक पल्लव

एएसपी संजय ध्रुव

एएसपी अभिषेक महेश्वरी

हे राम... हम सटोरिये तो नहीं

देखा जाये तो हर महीने 6 हजार करोड़ का कारोबार करने वाला ऑनलाइन गेमिंग एप 'महादेव' पूरी दुनिया में फैला हुआ है। किसी भी देश या भारत के ही अन्य राज्यों में जितना इसकी कमाई और संचालन को लेकर केंद्र ने बवाल मचा रखा है इतना शायद ही कहीं और हल्ला किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार पर ऐन विधानसभा और लोकसभा चुनाव के वक्त केंद्रीय एजेंसियों से लेकर नेताओं तक ने महादेव एप का ठीकरा फोड़ा। हालांकि गिरफ़्तारी, कोई करोड़ों की रकम या ऐसे पुख्ता दस्तावेजी प्रमाण भी नहीं मिले हैं जिसके आधार पर कांग्रेसी नेताओं, कांग्रेस प्रभावित आरोपी आईएएस-आईपीएस अफसरों को सीधे तौर पर दोषी ठहराया जा सके। फिर भी सीधे केंद्रीय जांच एजेंसियों का आईजी आरिफ शेख, आईजी डॉ. आनंद छाबड़ा, डीआईजी प्रशांत अग्रवाल और एआईजी डॉ. अभिषेक पल्लव, एडिशनल एसपी संजय ध्रुव और अभिषेक महेश्वरी के घर धड़धड़ाकर घुसना और निकलना समझ से परे है। अब तो खाखी और कड़ी दोनों ही कहने लगे हैं हे राम...हम सटोरिये तो नहीं है।

महादेव पर देवेंद्र का रहा विशेष अनुग्रह

महादेव सट्टा ऐप केस में CBI ने छत्तीसगढ़, दिल्ली, भोपाल और कोलकाता समेत 4 राज्यों में 60 जगहों पर छापेमारी की। इसमें एजेंसी की 10 से ज्यादा टीमों ने रायपुर, दुर्ग और भिलाई में कार्रवाई की, जिसमें पूर्व CM भूपेश बघेल, उनके 2 OSD रहे आशीष वर्मा और मनीष बंछोर, विधायक देवेंद्र यादव और पूर्व सचिव सौम्या चौरसिया बी सीबीआई के घेरे में हैं।

प्रमुख बिंदु

- 2017 में रवि और सौरभ ने मिलकर ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए पैसा कमाने के लिए एक वेबसाइट बनाई। भिलाई निवासी रामेश्वर चंद्राकर नगर निगम में पानी के पंप चलाने वाले ऑपरेटर का बेटा सौरभ 'जूस फैक्ट्री' के नाम से एक छोटी सी जूस की दुकान चलाता था।
- सौरभ का दोस्त रवि उप्पल एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। 2019 में नौकरी के लिए सौरभ दुबई चला गया और उसने रवि को भी वहीं बुला लिया।
- कोरोना महामारी और इसके बाद 'महादेव ऐप' का कारोबार तेज रफ्तार से आगे बढ़ा। 2021 में कोरोना की वजह से बिना दर्शकों के IPL का आयोजन हुआ। उस वक्त महादेव ऐप के जरिए 2 हजार करोड़ से ज्यादा की सट्टेबाजी हुई थी।
- कंपनी यूजर्स को पैसे देकर गेम खेलने की लत लगवाती है। 'महादेव बुक' नाम के इस ऐप से कुछ ही महीनों के भीतर 12 लाख से अधिक लोग जुड़ गए। महादेव बुक ऑनलाइन कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर दावा किया है कि फिलहाल 99 लाख से ज्यादा लोग उसके साथ जुड़े हैं।
- शादी में करीब 200 करोड़ रुपए खर्च हुए और पूरा पेमेंट हवाला या कैश में किया गया। इस शादी के बाद सौरभ और उनका महादेव बेटिंग ऐप जांच एजेंसियों के रडार पर आ गया।
- UAE के चमचमाते शहर रास अल खैमाह में एक आलीशान शादी हुई। इसके मेहमानों के लिए चार्टर्ड प्लेन लगे थे। पार्टी में शामिल होने और परफॉर्म करने के लिए सनी लियोनी, नेहा कक्कड़, आतिफ असलम, टाइगर श्राफ जैसे दर्जनों सेलिब्रिटी बुलाए गए।
- महादेव सट्टा मामले में छत्तीसगढ़ में 70 से ज्यादा मामला दर्ज हैं। इसमें 300 से ज्यादा आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है और 3 हजार से ज्यादा खाते मिले हैं, जिसे ब्लॉक कराया जा रहा है। इन खातों में करोड़ों रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है।
- महादेव सट्टा ऐप केस में CBI ने छत्तीसगढ़, दिल्ली, भोपाल और कोलकाता समेत 4 राज्यों में 60 जगहों पर छापेमारी की। इसमें एजेंसी की 10 से ज्यादा टीमों ने रायपुर, दुर्ग और भिलाई में कार्रवाई की।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-22683361, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी।